राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 257 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार,16 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

संक्षिप्त समाचार

जैश के शीर्ष कमांडर सज्जाद अफगानी समेत दो आतंकी ढेर

जम्मू, (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के जिला शोपियां के रावलपोरा में पिछले तीन दिनों से जारी मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने जैश-ए-मोहम्मद के शीर्ष कमांडर विलायत लोन उर्फ सज्जाद अफगानी समेत दो आतंकियों को मार गिराया। आईजीपी कश्मीर ने इस बड़ी कामयाबी के लिए शोपियां पुलिस और सुरक्षा बलों को बधाई दी है। शोपियां जिले में तलाश एवं घेराबंदी अभियान सोमवार को फिर शुरू किया गया। दरअसल शोपियां में रविवार को सुरक्षा बलों के तलाश एवं घेराबंदी अभियान के दौरान शुरू हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का एक स्थानीय आतंकवादी मारा गया।

बढ़ सकती हैं रिया चक्रवर्ती की मुश्किलें

मुंबई, (एजेंसी)।एक बार फिर ड्रग्स केस में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती की मुश्किलें बढ़ने की संभावना नजर आने लगी है। दरअसल रिया को मिली जमानत के खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है।दरअसल एनसीबी ने बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है।इस पर गुरुवार यानि 18 मार्च को सुनवाई होगी।ज्ञात हो कि एनसीबी ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद ड्रग्स केस में रिया चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया था। सुशांत का शव पिछले साल 14 जून को बांद्रा स्थित उनके फ्लैट से बरामद हुआ था।

पेश किया गया किशोर न्याय संशोधन विधेयक

नई दिल्ली, (संवाददाता)। लोकसभा में किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2021 पेश किया गया। इस विधेयक में मामलों का तेजी से निपटारा सुनिश्चित करने तथा जवाबदेही बढ़ाने के लिए जिला मजिस्ट्रेट तथा अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को सशक्त बनाया गया है। लोकसभा में महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने विधेयक पेश किया।

बाटला हाउस मामले के दोषी आरिज खान को फांसी की सजा, 11 लाख का जुर्माना भी

नई दिल्ली । बाटला हाउस एनकाउंटर मामले में साकेत कोर्ट ने सोमवार को इंडियन मुजाहिदीन (आइएम) के आतंकी आरिज खान उर्फ जुनैद उर्फ अन्ना उर्फ सलीम को फांसी की सजा सुना दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संदीप यादव ने इसे रेयरेस्ट आफ द रेयर केस माना और आरिज पर 11 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। इसमें से 10 लाख रुपये दिल्ली पुलिस के शहीद इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा के परिवार को व एक लाख रुपये राज्य सरकार को दिए जाएंगे। यह मुआवजा जांच अधिकारी द्वारा आरिज की वित्तीय स्थिति पर पेश रिपोर्ट के आधार पर लगाया गया है।

कोर्ट ने कहा कि चूंकि यह मुआवजा पर्याप्त नहीं है, इसलिए डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विस अथारिटी (डीएलएसए) को पीड़ित परिवार के लिए अतिरिक्त मुआवजे का प्रबंध करने की सिफारिश की जा रही है। कोर्ट ने अलग-अलग धाराओं में सजा दी है। सभी सजा एक के बाद एक चलेंगी। सजा पर बहस करते हुए दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त लोक अभियोजक एटी अंसारी ने कहा कि यह कोई सामान्य मामला नहीं है। यह अपनी ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मी की हत्या का मामला है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का जिक्र करते हुए कहा कि दरअसल, यह किसी व्यक्ति पर नहीं बल्कि पूरे महकमे पर हमला है। इसलिए दोषी को फांसी दी जानी चाहिए। वहीं, बचाव पक्ष के वकील ने फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील करने की बात कही है।

मुजफ्फरनगर निवासी आरिज खान मुठभेड़ के बाद फरार हो गया था, जिसे फरवरी, 2018 में गिरफ्तार किया गया था। बीटेक पास आरिज को विस्फोटक विशेषज्ञ माना जाता है।

यह है मामला

दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में हुए बम धमाकों की जांच कर रही दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल खुफिया सूचना पर 19 सितंबर, 2008 राजधानी के जामिया नगर स्थित बाटला हाउस के मकान नंबर-108, एल-18 में पहुंची थी। वहां एनकाउंटर में इंडियन मुजाहिदीन के दो आतंकी आतिफ अमीन और मुहम्मद साजिद मारे गए थे। इस कार्रवाई में स्पेशल सेल के इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा शहीद हो गए थे। आरिज खान उर्फ जुनैद व शहजाद अहमद उर्फ पप्पू फरार हो गए थे, जबकि जीशान को वहीं गिरफ्तार कर लिया गया था। शहजाद को बाद में गिरफ्तार किया गया और मोहन चंद शर्मा की हत्या समेत अन्य अपराध में उसे जुलाई, 2013 में आजीवन कारावास की सजा हो चुकी है। आरिज खान को स्पेशल सेल ने 2018 में भारत-नेपाल की सीमा से गिरफ्तार किया था।

बचाव पक्ष की दलील

बचाव पक्ष के वकील एमएस खान ने यह कहते हुए फांसी की सजा का विरोध किया कि यह घटना पूर्व नियोजित नहीं थी। जो हुआ वह सब अचानक हो गया। आरिज को कम से कम सजा दी जाए क्योंकि उसकी आयु काफी कम है। इसी मामले में एक दोषी को पहले ही उम्रकैद की सजा मिली है, इसलिए आरिज को फांसी की सजा देना न्यायोचित नहीं होगा।

अभियोजन पक्ष की दलील

पुलिस की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक एटी अंसारी ने दलील दी कि एनकाउंटर में मारे गए दो आतंकियों के हाथ से गन पाउडर रेसिड्यू मिला था। इससे साबित हो चुका है कि इन्होंने पहले पुलिस पर फायरिंग की थी। अगर पुलिस ने पहले फायरिंग की होती तो शायद आरिज व उसके साथी जिंदा ही नहीं बचते। इन लोगों ने कोई पहली बार फायरिंग नहीं की थी। ये हमेशा हथियार रखते थे और ट्रिगर फ्रेंडली थे। इन लोगों के पास हथियार थे और वे उसे चलाने के लिए तैयार थे। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि यह घटना पूर्व नियोजित नहीं थी। एक अन्य दोषी शहजाद को कामन इंटेशन में उम्रकैद की सजा को मिली है, जबकि साबित हो चुका है कि आरिज ने खुद इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा पर गोली चलाई, इसलिए उसे फांसी की सजा दी जानी चाहिए। अगर आरिज को फांसी की सजा नहीं मिली तो उन लोगों के साथ अन्याय होगा जो लोग अपनी जान की परवाह किए बिना देश व समाज के लिए अपना कर्तव्य निभाते हैं।

आरिज, मुठभेड़ के बाद पहले तो एक महीने तक विभिन्न प्रदेशों में छिपता रहा। इसके बाद वह नेपाल भाग गया और अब्दुल सुभान कुरैशी उर्फ तौकीर (इंडियन मुजाहिदीन का सह संस्थापक) के साथ पहचान छिपाकर रहने लगा था।

कुछ साल बाद दोनों सऊदी अरब चले गए। इसके बाद आइएम के पाकिस्तान में बैठे आकाओं इकबाल भटकल व रियाज भटकल ने दोनों को वापस भारत जाकर आइएम व सिमी को नए सिरे से संगठित करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद दोनों 2018 के मार्च से भारत आने-जाने लगे थे।

सत्ता में आने पर बंगाल को सोनार बांग्ला में बदलेगी भाजपा : शाह

खड़गपुर, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के चुनाव प्रचार अभियान को गति देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल के लोगों से वादा किया कि सत्ता में आने के बाद भाजपा पश्चिम बंगाल में वास्तविक परिवर्तन लाने तथा राज्य को सोनार बांग्ला में बदलने में सफल होगी। राज्य के विधानसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में शाह ने पश्चिम मेदिनीपुर के खड़गपुर में रोड शो किया।

शाह ने कहा रोड शो में बड़ी संख्या में लोग आए हैं, जो यह दशार्ता है कि जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य में बदलाव लाना चाहती है। उन्होंने कहा मैं वादा करता हूं कि भाजपा सरकार असली परिवर्तन लाने में सफल रहेगी, एक बार फिर सोनार बांग्ला बनाया जाएगा। रोड शो, स्थानीय भाजपा कार्यालय प्रेमहरि भवन से शुरू हुआ और करीब एक किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद इसका समापन मालनचा पेट्रोल पंप पर हुआ। बड़ी संख्या में भीड़ जुटने के कारण वाहनों के काफिले को इस दूरी को पूरा करने में एक घंटे से भी अधिक समय लगा शाह के साथ भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं पश्चिम बंगाल के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष भी थे।

सूर्यास्त के बाद शुरू हुई रैली में हजारों लोग शामिल हुए। वहीं, रोड शो देखने के लिए घरों की छतों पर और बालकनी में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित थे। शाह ने लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान उनके साथ खड़गपुर सदर सीट से पार्टी के उम्मीदवार हिरन चटर्जी भी थे। चटर्जी अभिनेता हैं। भारी भीड़ देखकर प्रसन्न शाह ने रैली में शामिल लोगों तथा इसे देखने के लिए जुटे लोगों की ओर विजय का संकेत किया। उन्होंने कहा कि इतने लोगों का रैली में आना दिखाता है कि चटर्जी निश्चित ही विधानसभा के लिए चुने जाएंगे।

भारत के टैक्स से बौखलाया अमेरिका

नई दिल्ली, (संवाददाता)। फ्रांस और ब्रिटेन समेत दुनिया के कई देश विदेशी डिजिटल सर्विस प्रोवाइडरों से डीएसटी वसूलते हैं। भारत ने भी विदेशी कंपनियों पर डीएसटी लगाना शुरू कर दिया है। अरबों डॉलर का कारोबार कर रहीं ये कंपनियां सारा मुनाफा अपने देश ले जा रही थीं। हालांकि, भारत द्वारा डीएसटी यानी डिजिटल सर्विस टैक्स की पहल से अमेरिका बौखला गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन इसे अपने हितों के खिलाफ और पक्षपातपूर्ण बता रहा है। हालांकि, इससे निपटने के लिए अमेरिकी कांग्रेस ने डीएसटी पर बहस और फिर उसे कानून के रूप में तब्दील करने के लिए एक शोध रिपोर्ट तैयार की है।

सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सिर्फ भ्रष्टाचार की गारंटी दे सकती है : नड्डा

गुवाहाटी, (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने जमुगुड़ीहाट में पार्टी प्रत्याशी के लिए प्रचार करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। नड्डा ने कहा सत्ता में आने पर कांग्रेस सिर्फ भ्रष्टाचार की गारंटी दे सकती है, उसका तो कमीशन का मिशन है। 60 साल कांग्रेस के एक तरफ रख दीजिए और 60 महीने सबार्नंद सोनोवाल के नेतृत्व में चलने वाली एनडीए की सरकार को रख दीजिए।

आप पाएंगे 60 महीने वाला पलड़ा भारी होगा, जबकि 60 साल का पलड़ा हल्का होगा। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस लटकाना, अटकाना, भटकाना में यकीन रखती है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जोड़ने में विश्वास करते हैं।

नड्डा ने कहा कि असम के साथ

नरेन्द्र मोदी का विशेष लगाव है। इस बार के बजट में 53,000 करोड़ रुपए असम के विकास के लिए दिए गए हैं। 35,000 करोड़ रुपए नेशनल हाईवे बनाने के लिए दिए गए हैं। इसी तरह से विकास के कार्य आगे बढ़ाए जा रहे हैं। नड्डा ने कहा कि आप लोग इलाज के लिए दिल्ली एम्स जाते थे। पीएम मोदी ने मुझे स्वास्थ्य मंत्री बनाया और इसका नतीजा देखिए। गुवाहाटी में एम्स बनकर तैयार हो गया है।

गंगा भारतीय संस्कृति का आधार : राष्ट्रपति

वाराणसी, (एजेंसी)। वाराणसी में चल रहे एक आयोजन के दौरान बदलते उत्तर प्रदेश और विकास की संभावनाओं पर मंथन किया जाना है। समारोह का उद्घाटन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद करेंगे तो समापन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ऑनलाइन शामिल होंगे। आयोजन में शामिल होने के लिए पूर्वांचल में वाराणसी, प्रयागराज और आसपास के जिलों से सम्मानित जनों को आमंत्रित किया गया है। सुबह 11.45 बजे राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने कर्क्रिम का उद्घाटन दीप प्रज्जवन कर किया। इससे पूर्व छात्रों ने राष्ट्रगान किया। समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और प्रथम महिला सविता कोविंद भी मौजूद रहीं।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोरोना की वजह से मेरे विचार से साल भर की देरी से आयोजन हो पा रहा है, हमको भी सावधान रहना है। इस परिवार से मेरा वर्षों का सम्बंध रहा है, जब राज्यसभा में था तो नरेंद्र मोहन जी मेरे सहयोगी थे। लखनऊ से चलकर कानपुर में नरेंद्र मोहन जी टिफिन लाते थे, ट्रेन के खाने से उन्होंने मुझे वंचित रखा। मैंने उनसे अधिक सीखा है। कभी कभार मुलाकात होती थी तो प्रधानमंत्री अटल जी से साथ भी मुलाकात होती थी। मेरा मानना है कि नरेंद्र मोहन जी की सोच ने लोगों का मनोबल बढ़ाया है।

गंगा को नदी के रूप में नहीं देखना चाहिए बल्कि यह संस्कृति की संवाहक है। एक बार बिस्मिल्ला खान को मुम्बई में बसने का आग्रह लोगों ने किया। उनका उत्तर था- यहां बस तो जाऊंगा लेकिन मुम्बई में गंगा कहां से लाओगे ताज होटल के दरबार हॉल में आयोजित समारोह की तैयारियों के बीच सुबह आयोजन स्थल पर भारी सुरक्षा के बीच प्रशासनिक अधिकारियों ने सुबह तैयारियों का जायजा लिया। सुबह 11 बजे तक सभागार पूरी तरह से भर गया और लोगों ने आयोजन पर आपस में मंथन भी शुरू किया।

पुरुलिया की रैली में व्हील चेयर पर बोलीं ममता- नंदीग्राम में भगवान की कृपा से बची

कोलकाता। नंदीग्राम में हाल में चोटिल होने के बाद बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने सोमवार को कोलकाता से पहली बार बाहर जाकर पुरुलिया में रैली को संबोधित किया। मंच पर व्हील चेयर पर ही बैठकर ममता ने लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा के खिलाफ जमकर हुंकार भरीं। ममता ने कहा कि नंदीग्राम में मैं सौभाग्य से भगवान की कृपा से बच गई। कुछ लोगों को लगा कि मैं अब बाहर नहीं निकल पाऊंगी और न ही रैली कर पाऊंगी। लेकिन मैं साफ कहना चाहती हूं कि मैं थकने व रूकने वाली नहीं हूं। मेरी आवाज को कोई नहीं दबा सकता है। जनता के लिए मुझे निकलना पड़ा। लोगों का दर्द मेरे से ज्यादा है। बंगाल की रक्षा करनी है। बंगाल को बचाना है। ममता ने भाजपा पर पैसे के बल पर वोट खरीदने का आरोप लगाया।

ममता बनर्जी ने पुरुलिया में जनसभा करते हुए कहा मुझे चोट लगी है पर बंगाल को बचाने के लिए मुझे बाहर आना पड़ा। उन्होंने लोगों को आगाह किया कि वे पैसे के लिए अपनी जमीर नहीं बेचें। ममता ने अपनी सरकार की उपलब्ध्यिां भी गिनाई। वहीं, केंद्र सरकार पर डीजल, एलपीजी और केरोसिन के दाम बढ़ाने को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महंगाई पर इस सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है।

नंदीग्राम में दुर्घटना के बाद झालदा में पहली चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचीं ममता बनर्जी ने आदिवासी, कुड़मी कार्ड खेला है। ममता ने कहा कि सभी के शिक्षा, चिकित्सा पर ध्यान दिया है। बच्चियों के ग्रेजुएशन करने पर 25000 रुपये दिया, अनेकों संताली स्कूल बनाएं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सभी केंद्रीय उपक्रमों को बेच रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाते हुए ममता ने कहा कि वे देश नहीं चला पा रहे हैं। मैं आखिरी सांस तक भाजपा से लड़ूंगी। बंगाल की मुख्यमंत्री ने पांव ठीक होने पर वापस आने का वादा किया है।

अगर अधिकतर लोग नोटा बटन दबाए तो क्या चुनाव रद्द होना चाहिए : सुप्रीम कार्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की शीर्ष अदालत ने सोमवार को चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी करके पूछा है कि अगर किसी जगह अधिकतर लोग चुनाव के समय वोटिंग मशीन पर नोटा (इनमें से कोई नहीं) का बटन दबाते हैं तो क्या उस सीट का चुनाव रद्द होना चाहिए और नए सिरे से चुनाव होना चाहिए। फिलहाल नोटा का चुनाव में कोई असर नहीं होता है। वो सिर्फ वोटर की नाराजगी जताने के लिए होता है। वोटर इसेक जरिये बताते हैं कि उन्हें कोई भी प्रत्याशी नहीं पसंद और उन्होंने किसी को भी वोट नहीं दिया। दरअसल ये मामला राइट टू रिजेक्ट यानी सभी को खारिज करने के अधिकार से जुड़ा है।

इसी सिलसिले में चुनाव में नोटा का विकल्प दिया गया था। यानी अगर किसी वोटर को कोई भी कैंडिडेट पसंद नहीं है तो वो नोटा पर बटन दबाकर अपना मत दे सकता है। लेकिन नोटा का कोई महत्व नहीं होता।

सोमवार को हुई सुनवाई में याचिकाकर्ता की वकील मानेका गुरुस्वामी ने कहा कि अगर 99 फीसदी वोटर नोटा पर बटन दबाते हैं तो भी उसका कोई महत्व नहीं है। बाकी के एक फीसदी वोटर के मत ये तय करते हैं कि चुनाव कौन जीतेगा। इसलिए इस जनहित याचिका में मांग की गई है कि अगर सबसे ज्यादा मत नोटा को पड़ते हैं तो उस जगह का चुनाव रद्द होना चाहिए। लोगों के मत का सम्मान होना चाहिए। इस पर मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एसए बोबड़े ने कहा कि अगर ऐसा होता है तो उस जगह से कोई भी उम्मीदवार नहीं जीतेगा। यानी वो जगह खाली रह जाएगी। फिर सांसद या विधानसभा का गठन कैसे होगा। इसके जवाब में गुरुस्वामी ने कहा कि अगर नोटा का मत ज्यादा होता है और कोई भी उम्मीदवार नहीं जीतता है तो वहां समयबद्ध तरीके से दोबारा चुनाव हो सकता है।

विदेश मंत्री ने किया वंदे भारत मिशन का जिक्र, कहा- कोरोना में भारत सरकार का बेहतरीन प्रयास

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को संसद के दोनों सदनों को संबोधित किया और विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों व कोविड-19 के हालातों पर चर्चा की। इस क्रम में उन्होंने वंदे भारत मिशन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक मंत्रालय का नहीं बल्कि भारत सरकार का प्रयास रहा। इसमें विदेश, गृह, रक्षा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नागर विमानन मंत्रालय, पोत परिवहन मंत्रालय ने मिलकर काम किया। विदेश मंत्री ने कहा, कोरोना काल में भारत में फंसे विदेशी नागरिकों की स्वदेश वापसी कराई गई। वहीं विदेश में फंसे भारतीय नागरिक भी वापस आए। इसमें सबसे अधिक लोग, श्व के थे इसके बाद सऊदी अरब और कतर से भारतीय नागरिकों की वापसी हुई।

कोविड-19 के मद्देनजर विदेश में रह रहे भारतीयों, अप्रवासी भारतीयों और पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन के वेलफेयर मुद्दे पर विदेश मंत्री ने दोनों सदनों को संबोधित किया। इस बीच सदन की कार्यवाही देखने के लिए इंटर पार्लियामेंट्री यूनियन के अध्यक्ष, दुआर्ते पाचेको भारतीय संसद के अतिथि के रूप में 14 से 20 मार्च तक रहेंगे। उन्होंने लोकसभा में कहा,विदेशों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के वेलफेयर का मुद्दा हम सब की चिंता का विषय रहा है। दुनिया भर में हमारे दूतावासों को उनतक पहुंचने और उनकी हालातों पर करीब से नजर रखने के निर्देश दिए जा चुके हैं। साथ ही इनके स्वदेश वापसी में मदद के लिए भी कहा गया। विदेश मंत्री ने कहा, रोकों के कारण सऊदी अरब और कुवैत की यात्रा संभव नहीं थी लेकिन मैं वहां के विदेश मंत्रियों के साथ नियमित तौर पर संपर्क में था। हाल में ही मैंने संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री का भारत में स्वागत किया और जल्द ही कुवैत के विदेश मंत्री के भी यहां आने की उम्मीद है।

इससे पहले राज्यसभा में विदेश मंत्री ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में नस्लवाद का मुद्दा उठाया।

विदेश मंत्री ने कहा, हम महात्मा गांधी के देश के लोग हैं ऐसे में नस्लवाद के मामलों से आंखें नहीं चुरा सकते। विशेषकर उस देश से जहां भारत का एक बड़ा समुदाय रहता है। ब्रिटेन के साथ हमारा मजबूत संबंध है। हम हर मामले पर करीब से नजर रख रहें हैं और जरूरत पड़ने पर हम इस मुद्दे को उठाएंगे। दोपहर 2 बजे तक राज्यसभा स्थगित कर दी गई। भाजपा सांसद अश्विनी वैष्णव ने सदन में बताया कि ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रा रश्मि सामंत के साथ जो हुआ, वो गलत था। उन्होंने कहा कि रश्मि यूनिवर्सिटी के छात्र संघ की अध्यक्ष चुनी गई थीं।

भारत बहुपक्षीय लोकतांत्रिक वैश्विक प्रणाली का पक्षधर है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू ने आज इस बात पर बल दिया कि भारत बहुपक्षीय लोकतांत्रिक वैश्विक व्यवस्था का पक्षधर है।

अपने उपराष्ट्रपति निवास पर अंतर संसदीय संघ IPU के अध्यक्ष, श्री दुआर्ते पचेको से भेंट के दौरान उपराष्ट्रपति ने विकास की लोकतांत्रिक और समावेशी प्रणाली के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। भारत की यह प्रतिबद्धता उसके द्वारा विश्व भर के अनेक देशों को कोविड 19 के विरुद्ध वैक्सीन उपलब्ध कराए जाने में परिलक्षित भी हुई है।

उन्होंने कहा कि भारत ने 154 से अधिक देशों को कोविड 19 से संबंधित दवा और अन्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सकीय सहायता प्रदान की है तथा भारत के रैपिड रिस्पॉन्स दल कई देशों में तैनात भी हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी आपदाओं की स्थिति में भारत ने सदैव अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। अधिक से अधिक लोगों का जीवन बचाना, यही हमारा लक्ष्य रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत 1949 से ही IPU में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि IPU लोकतांत्रिक शासन पद्धति को और समृद्ध एवं दृढ़ करने की दिशा

में काम करेगा। श्री नायडू ने कहा कि IPU को द्विपक्षीय मुद्दों में पड़ने और उन्हें उठाने से बचना चाहिए।

विश्व शांति में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए श्री नायडू ने कहा कि शांति और लोकतंत्र आधुनिक समाज के दो महत्वपूर्ण आधार हैं। विश्व भर में अतिवादी संगठनों द्वारा की जा रही आतंकवादी हिंसा पर चिंता व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति ने इसे शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि सभी देशों की समावेशी और स्थाई प्रगति के लिए शांति एक जरूरी शर्त है।

इस अवसर पर राज्य सभा के महासचिव डॉ. देश दीपक वर्मा,उपराष्ट्रपति के सचिव डा. आई वी सुब्बाराव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में सामान्य लक्ष्यों को साझा करने वाले देशों के साथ मिलकर करेंगे काम: क्वाड

वाशिंगटन। एक स्वतंत्र और सुरक्षित हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, क्वाड देशों के नेताओं- भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका ने अन्य देशों के साथ काम करने का संकल्प लिया है, जो इस क्षेत्र में सामान्य लक्ष्यों को साझा करें और यह सुनिश्चित करें कि 2022 तक पूरे क्षेत्र में कोविड-19 के टीके लगाए जाएं।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा द्वारा वाशिंगटन पोस्ट के लिए संयुक्त रूप से लिखे गए एक लेख में कहा गया है कि क्वाड का गठन संकट के समय में हुआ था। 2017 में हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक व्यवहार पर लगाम लगाने के लिए क्वाड बनाया गया था। क्वाड के चार नेताओं ने वाशिंगटन पोस्ट के लिए लिखा, 'अब, हिन्द-प्रशांत के इस नए युग में हमें फिर से एक इस क्षेत्र के लिए एक साथ काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस पृष्ठभूमि के खिलाफ, हम एक हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के लिए एक साझा विजन पर फिर से विचार कर रहे हैं, जो मुक्त, खुला, लचीला और समावेशी है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास कर रहे हैं कि हिन्द-प्रशांत सुलभ और गतिशील हो और अंतरराष्ट्रीय कानून और सिद्धांतों द्वारा संचालित है।

कोरोना महामारी को समाप्त करने में मदद करने के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका ने सुरक्षित, सुलभ और प्रभावी टीकों के उत्पादन में विस्तार और तेजी लाने का वादा किया। नेताओँ ने लिखा, हमरा मकसद यह सुनिश्चित करना होगा कि 2022 में पूरे भारत-प्रशांत क्षेत्र में कोराना टीके लगाए जाएं।

कैंसर के इलाज में आ सकता है क्रांतिकारी बदलाव, वैज्ञानिकों को दिखी एक नई राह

वाशिंगटन। इलाज के बाद भी कैंसर के फिर से पलटने के कई मामले सामने आते रहे हैं। लोग इस बात से परेशान होते रहे हैं कि रोग ठीक होने के बाद आखिर ऐसा क्या हो गया ? लेकिन अब इसका एक कारण सामने आया है और इसकी वजह से निदान के लिए नई दवा खोजने का रास्ता भी दिख रहा है। दरअसल, एक अध्ययन से सामने आया है कि कैंसर ग्रस्त सेल (कोशिका) एक्टिव हाइबरनेशन की स्थिति में जाकर कीमोथेरेपी (इलाज की एक विधि) से उत्पन्न वातावरण में खुद का बचाव करने में सक्षम हो जाते हैं। मतलब निष्क्रिय होने का स्वांग कर लेते हैं और कीमोथेरेपी का प्रभाव कम होने पर फिर से बढ़ने लगते हैं। इस अध्ययन के बाद विज्ञानियों के लिए एक संभावना बनी है कि ऐसी दवा खोजी जाए, जिससे कि कैंसर ग्रस्त सेल कीमोथेरेपी से बचाव के लिए सुसुप्तावस्था में नहीं जा सके। यदि ऐसा संभव हुआ तो कैंसर के इलाज में एक क्रांतिकारी बदलाव आ सकता है। वेल कॉर्नेल मेडिसिन के विज्ञानियों द्वारा किए गए इस अध्ययन की रिपोर्ट अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च के जर्नल कैंसर डिस्कवरी में प्रकाशित हुई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस जैविक प्रक्रिया से यह पता किया जा सकता है कि इलाज के बाद भी कैंसर क्यों पनप जाता है।

प्रचंड ने ओली सरकार में कार्यरत अपने मंत्रियों को वापस बुलाया, 24 घंटे के भीतर स्थिति साफ करने के निर्देश

काठमांडू। नेपाल में पुष्प कमल दहल प्रचंड के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी-माओवादी सेंटर ने ओली सरकार में शामिल अपने मंत्रियों को वापस बुलाया है। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इन मंत्रियों से इस्तीफा देने को कहा गया है या नहीं। साथ ही सत्तारूढ़ नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी-यूएमएल द्वारा विभिन्न पदों पर नियुक्त नेताओं से कहा है कि 24 घंटे के भीतर वे अपनी स्थिति साफ करें। उन्हें कम्युनिस्ट पार्टी के किस गुट के साथ रहना है।

जिन मंत्रियों को प्रचंड ने वापस बुलाया है उनमें गृह मंत्री राम बहादुर थापा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्री तोप बहादुर रायमाझी, जलापूर्ति मंत्री मणिचंद्र थापा, शहरी विकास मंत्री प्रभु शाह, खेल एवं युवा मामलों के मंत्री दावा लामा तमांग, श्रम मंत्री गौरीशंकर चौधरी और ऊर्जा मंत्री हैं। सरकार में शामिल मंत्रियों को वापस बुलाने का फैसला प्रचंड के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी-माओवादी की स्टैंडिंग कमेटी की शनिवार को हुई बैठक में लिया गया।स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य देवेंद्र पौडेल ने बताया कि सरकारी पदों पर कार्य कर रहे अन्य नेताओं से भी 24 घंटे के भीतर अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा गया है। नेपाल के कानून के अनुसार यदि कोई सांसद अपनी पार्टी छोड़ता है या उसे पार्टी से निष्कासित किया जाता है तो सदन से उसकी सदस्यता खत्म हो जाती है।

कट्टरपंथ के खिलाफ फैसला

श्रीलंका ने धार्मिक अतिवाद का प्रतीक बताकर बुर्के पर बैन लगाया, देश भर में 1000 इस्लामिक स्कूल बंद होंगे

कोलंबो। स्विट्जरलैंड के बाद अब श्रीलंका ने भी बुर्का पहनने पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है। इसके साथ ही देश भर में 1 हजार से ज्यादा इस्लामिक स्कूलों को भी बंद करने की तैयारी है। पब्लिक सिक्योरिटी मंत्री सरत वीरशेखरा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बुर्का पहनने प बैन लगाया गया है। मैंने कैबिनेट की मंजूरी के लिए पत्र लिखा था। इस पर कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। अब इस फैसले पर संसद आखिरी मुहर लगाएगी।

वीरशेखरा ने कहा कि पहले यहां मुस्लिम महिलाएं और लड़कियां बुर्का नहीं पहनती थीं। यह धार्मिक अतिवाद का प्रतीक है, जो हाल ही में प्रचलन में आया है। हम इसे जरूर बैन करेंगे। 2019 में ईस्टर पर चर्च और होटलों पर हुए आतंकी हमलों के बाद बौद्ध धर्म को मानने वाले इस देश ने बुर्का पहनने पर अस्थाई रूप से रोक लगा दी थी। इन हमलों में 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। तब इस फैसले पर मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आई थी। कुछ एक्टिविस्टों ने कहा था कि यह मुस्लिम महिलाओं के धार्मिक अधिकारों का हनन करता है।

इस्लामिक स्कूल शिक्षा नीति का मजाक बना रहे

वीरशेखरा ने कहा कि सरकार 1 हजार से ज्यादा इस्लामिक स्कूलों पर रोक लगाने की योजना बना रही है। सरकार का मानना है कि ये स्कूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मजाक बना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'कोई भी अपनी मर्जी से स्कूल नहीं खोल सकता और कुछ भी नहीं पढ़ा सकता।'

कोरोना से मरने वाले मुस्लिमों को जलाने का आदेश दिया था

पिछले साल राष्ट्रपति चुने जाने के बाद गोटबाया राजपक्षे ने देश में अतिवाद को खत्म करने का वादा किया था। राजपक्षे को श्रीलंका के नॉर्थ इलाके में दशकों तक चले विद्रोह को कुचलने के लिए जाना जाता है। पिछले साल श्रीलंका सरकार ने कोरोना की वजह से मरने वाले मुस्लिमों को दफनाने के बजाय जलाने का आदेश दिया था। अमेरिका के अलावा कई अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूहों ने इसकी आलोचना की थी। इस साल की शुरुआत में यह फैसला वापस ले लिया गया।

स्विट्जरलैंड में 51फीसदी लोगों ने बुर्के के खिलाफ वोट दिए

स्विट्जरलैंड में हुए जनमत संग्रह में 51.21फीसदी लोगों ने बुर्के पर रोक लगाने के पक्ष में वोट दिए हैं। माना जा रहा है कि यहां अब इस पर कानून बनाया जा सकता है। करीब 1 महीने पहले यह प्रस्ताव लाया गया था। इसका लोगों ने विरोध किया तो सरकार ने जनमत संग्रह कराने का फैसला किया। इस पर कानून बना तो यहां महिलाएं सार्वजनिक जगहों पर पूरी तरह से मुंह ढंककर नहीं निकल सकेंगी।स्विस पीपुल्स पार्टी समेत अन्य समूहों ने अपने प्रस्ताव में कहीं भी इस्लाम का जिक्र नहीं किया था। इसके बावजूद यहां की मीडिया में इस प्रस्ताव को बुर्का बैन कहा गया और इसे इस्लाम के खिलाफ माना गया। स्विट्जरलैंड की आबादी करीब 86 लाख है। इसमें 5.2फीसदी मुस्लिम हैं।

कोरोना दुनिया में: संक्रमितों का आंकड़ा 12 करोड़ के पार

अमेरिका में इस महामारी की चपेट में आए लोगों की संख्या 3 करोड़ हुई

वाशिंगटन। दुनियाभर में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। दुनिया में कोरोना संक्रमितों की संख्या 12 करोड़ के पार पहुंच गई। बीते 24 घंटे में कोरोना के 4 लाख 41 हजार 891 नए मामले सामने आए और 8,071 लोगों की मौत भी हुई। इस तरह दुनिया में अब तक 12 करोड़ 40 हजार से ज्यादा लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। 26 लाख 59 हजार 102 लोगों की मौत भी हुई है। उधर, अमेरिका में बीते दिन यहां कोरोना के 48,808 मामले सामने आए और 1037 लोगों की मौत भी हुई। यहां अब तक 3 करोड़ 43 हजार 662 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। 5 लाख 46 हजार से ज्यादा लोगों की मौत भी हुई है।

रूस की वैक्सीन सभी उम्र के लोगों पर कारगर

रूस की कोरोना वैक्सीन स्पुतनिक-ङ्क सभी उम्र के लोगों पर कारगर है। वैक्सीन बनाने वाली कंपनी गमालिया रिसर्च इंस्टीट्यूट के हेड अलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग ने बताया कि शुरुआत में वैक्सीन को लेकर शंकाएं थीं कि यह 60 साल से ऊपर के लोगों पर कम असरदार है, लेकिन ऐसा नहीं है। यह हर उम्र के लोगों पर कारगर है। उन्होंने दावा किया कि इस समय जो भी वैक्सीन दुनिया में उपलब्ध हैं। उनमें स्पुतनिक-ङ्क सबसे ज्यादा असरदार है।

ब्राजील में कोरोना का एक और वैरिएंट मिला

ब्राजील में कोरोना का एक और वैरिएंट मिलने की खबर सामने आ रही है। वैज्ञानिकों का मानना है कि देश में कोरोना के मामलों के बढ़ने की वजह कोरोना का यह नया स्ट्रेन हो सकता है। मिनिस्ट्री ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के नेशनल लैब फॉर साइंटिफिक कम्प्यूटिंग ने बताया कि ब्राजील के कुछ इलाकों में हमें नया स्ट्रेन मिला है। इस पर रिसर्च जारी है। इससे पहले नवंबर 2020 में उत्तरी ब्राजील में कोरोना के नए स्ट्रेन से पूरे देश की स्वास्थ्य सेवा चरमरा गई थी।

नए संक्रमितों में ब्राजील टॉप पर: ब्राजील में बीते दिन 70,934 कोरोना के मामले सामने आए और 1,940 लोगों की मौत भी हुई। यह दुनिया में किसी भी देश में शनिवार को मिलने वाला सबसे बड़ा आंकड़ा है। यहां अब तक 1.14 करोड़ लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं और 2.77 लाख लोगों की मौत भी हुई है।

लैंगिक समानता के लिए पहल: मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी ने कहा- महिला या पुरुष सूचक शब्द से बचें, माता-पिता की जगह पैरेंट्स या गार्जियन कहें

लंदन। ब्रिटेन की मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी ने लैंगिक असमानता के शब्दों पर रोक लगाने की पहल की है। इन शब्दों को स्त्री या पुरुष के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जिससे लैंगिक असमानता झलकती है। यूनिवर्सिटी ने अपने स्टाफ से कहा कि वे ऐसी भाषा को व्यवहार में लाएं, जिससे लड़का या लड़की का भेद ही न झलके। संस्थान ने स्टाफ को दिशा-निर्देश की कॉपी भी दी है। इसमें कहा गया है कि मदर या फादर (मां या पिता) की जगह पैरेंट्स या गार्जियन जैसे शब्दों का इस्तेमाल करें।

यूनिवर्सिटी ने कहा कि बोलचाल और आधिकारिक कामों में मैनपावर की जगह वर्कफोर्स, मैनकाइंड की बजाय ह्यूमनकाइंड, मैन मेड की जगह आर्टिफिशियल या सिंथेटिक जैसे शब्दों का इस्तेमाल करें। संस्थान ने बताया कि यह गाइडलाइन कुछ सहयोगियों की प्रतिक्रिया के बाद जारी की गई है। दरअसल, संस्थान में कार्यरत कुछ लोगों का सुझाव था क्कि लैंगिक भेद मिटाने की दिशा में किस प्रकार की भाषा का उपयोग करना चाहते हैं। उक्त शब्दों की व्यावहारिकता में भी कोई परेशानी नहीं है, क्योंकि कई तो पहले ही इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर आलोचना

मां जैसे शब्दों को खत्म करने का प्रयास बताकर इस पहल की सोशल मीडिया पर आलोचना भी हो रही है। आलोचना करने वालों का तर्क है कि स्कूलों और यूनिवर्सिटीज ने दशकों से मां-पिता की जगह पैरेंट्स/गार्जियन शब्द लाकर भाषाई बंदिशें लगा दी हैं। यह फ्री स्पीच के अधिकार को खत्म करने जैसा है।

'ही/शी' की जगह 'दे/ देयर/देम' इस्तेमाल हो

यूनिवर्सिटी ने गाइडलाइन के साथ कुछ शब्दों की सूची भी जारी की है। इसके मुताबिक ही या शी की बजाय दे, देयर या देम, वहीं मैन, वूमन की बजाय पीपुल या पर्सन या इंडीविजुअल का प्रयोग करें। इसी तरह लेडीज और जेंटलमैन या गाइज की जगह एवरीवन/कलीग्स, रादर देन। मैन की जगह कवर या स्टाफ के इस्तेमाल को तवज्जो दें।

जापान के टोचिगी में नए बर्ड फ्लू का कहर, 77000 मुर्गियों को मारने का आदेश

टोक्यो । जापान में एक बार फिर बर्ड फ्लू तेजी से फैल रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर टोचिगी प्रांत में देखने को मिल रहा है। जहां के फार्म में वायरस फैल रहा है। जापानी मीडिया ने शनिवार को बताया कि बर्ड फ्लू के नए प्रकोप से निपटने और इसे फैलने से रोकने के लिए इसकी चपेट में आए फार्म की 77,000 मुर्गियों को मारा जाएगा।

खबर के मुताबिक, प्रभावित फार्म के 1.9 मील (3 किलोमीटर) के दायरे में एक संगरोध क्षेत्र स्थापित किया गया था और 10 किलोमीटर की सीमा के भीतर अंडे अैर पोल्ट्री उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया दिया गया था। टोचिगी प्रांत से पहले जापान के चीबी, कगवा, फुकुओका, हयोगो, मियाजाकी, हिरोशिमा, नारा, ओइता, वकायमा, शिगा, तोकुशिमा और कोचि में भी बर्ड फ्लू फैला था।

बता दें कि जनवरी में जापानी कृषि और मत्स्य मंत्रालय ने कहा था कि एवियन इन्फ्लूएंजा का नया प्रकोप बेहद घातक है। जापान में इसकी शुरूआत नवंबर में हई थी। बर्ड फ्लू की वजह से दिसंबर में बड़े पैमाने पर मुर्गियों को मारा गया था। जापान के 47 प्रान्तों में से 17 बर्ड फ्लू के प्रकोप से प्रभावित थे। कृषि मंत्रालय के अनुसार, बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए लगभग 9.7 मिलियन (97 लाख) घरेलू पक्षियों को पहले ही मारा जा चुका है।

वहीं, कोरोना महामारी के खिलाफ दुनिया भर में टीकाकरण अभियान जारी है। जापान में अब तक 4.46 लाख से अधिक लोगों कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं, जबकि 8,566 लोगों की जान जा चुकी है।

दुनियाभर में जानलेवा वायरस से लगभग 12 करोड़ लोग संक्रमित हुए हैं और 26 लाख लोगों की जान जा चुकी है।

पाकिस्तान में छात्रा ने खुलेआम ब्वॉयफ्रेंड से किया मुहब्बत का इजहार, लाहौर यूनिवर्सिटी ने उठाया ये कदम

लाहौर। पाकिस्तान के एक विश्वविद्यालय परिसर में एक दूसरे को गले लगाकर मुहब्बत का इजहार करना एक छात्र और छात्रा के लिए महंगा साबित हुआ है। लाहौर विश्वविद्यालय ने घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रेमी जोड़े को निष्कासित कर दिया है।

लाहौर विश्वविद्यालय की विशेष अनुशासन समिति ने दोनों को तलब किया था लेकिन वे नहीं पहुंचे। समिति ने छात्र और छात्रा दोनों को विश्वविद्यालय से निकालने और किसी भी परिसर में उनके प्रवेश पर पाबंदी लगाने की सिफारिश की है। लाहौर विश्वविद्यालय के अनुसार, दोनों ने गलत व्यवहार किया है और नियमों का उल्लंघन किया है। मुहब्बत के इजहार का यह वीडियो ट्विटर पर खूब चला और पिछले गुरुवार को यह इंटरनेट मीडिया की 'शीर्ष सर्च' में शामिल था। वायरल वीडियो में लड़की घुटने के बल जमीन पर बैठी है और हाथों में गुलाब का गुलदस्ता लिए हुए लड़के को प्रपोज कर रही है। लड़का गुलदस्ता लेने के बाद लड़की को गले लगा लेता है। आसपास मौजूद छात्र दोनों का हौसला बढ़ाते दिख रहे हैं। फुटेज के वायरल होने के बाद विश्वविद्यालय ने यह कदम उठाया है। दोनों को निकाले जाने को लेकर इंटरनेट पर मिलीजुली प्रतिक्रिया रही। इंटरनेट मीडिया पर एक यूजर ने 'मोहब्बतें' फिल्म से अमिताभ बच्चन की तस्वीर पोस्ट करके लिखा है 'लाहौर विश्वविद्यालय के

प्रधानाध्यापक।' गौरतलब है कि फिल्म में अमिताभ गुरुकल के प्रधानाध्यापक हैं जो प्यार-मोहब्बत के खिलाफ हैं। पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत बेनजीर भुट्टो की बेटी बख्तावर भुट्टो जरदारी ने विश्वविद्यालय की कार्रवाई को 'बकवास' बताया है।

म्यांमार में सैन्य शासन की दमन नीति: तख्तापलट के विरोध में जुटे प्रदर्शनकारियों पर फिर बरसाई गोलियां, 8 की मौत; गोला- बारूद इस्तेमाल करने का आरोप

नेपीता। म्यांमार में तख्तापलट और नाइट कर्फ्यू का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों ने ओपन फायरिंग कर दी। इसमें 8 से ज्यादा लोग मारे गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटना सुबह म्यांमार के सबसे बड़े शहर यांगून की है। शहर के बाहरी इलाके में तीन लोगों की मौत हुई है।

जबकि तीन अन्य प्रदर्शनकारियों की मौत मंडल्य शहर में हुई। सभी की मौत गोली लगने से हुई है।थाकेटा टाउनशिप में सुरक्षाबलों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को तितर-बितर करने के लिए गोलियां चलाई थी।

इस दौरान दो लोगों की गोली लगने सेमौत हो गई। ये सभी गिरफ्तार किए गए प्रदर्शनकारियों की रिहाई की मांग कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तीसरे प्रदर्शनकारी की मौत ह्लाइंट टाउनशिप में की गई। यहां भी प्रदर्शनकारियों के एक समूह पर गोली चलाई गई थी।

सेना पर गोला बारूद इस्तेमाल करने का आरोप

जापान न्यूज आउटलेट के मुताबिक, सेंट्रल म्यांमार के मंडल्य में तीन लोगों की भी मौत हुई है। इस दौरान सुरक्षाबलों ने कथित तौर पर गोला बारूद का इस्तेमाल प्रदर्शनकारियों पर किया। शनिवार सुबह एक प्रदर्शनकारी को खदेड़ दिया गया। जबकि, एक मौत प्याय में हुई है। यह देश की राजधानी नेपीता से 140 चरूदक्षिण में स्थित है।

झूठे आरोप में मीडिया संस्थानों पर सेना का शिकंजा

न्यूज वेबसाइट द इरावदी के अनुसार, उस पर सामाजिक शांति भंग करने का झूठा आरोप लगाया गया है। सैन्य शासन लगने के बाद ये पहली बार जब एक न्यूज रिपोर्टर नहीं बल्कि एक मीडिया संस्थान ने आरोपों का सामना किया है।

पिछले कुछ वक्त से सू की कहीं नजरबंद

सू की को पिछले 5 हफ्तों से अज्ञात जगह पर रखा गया है। वे गैर-कानूनी रूप से रेडियो उपकरण रखने और कोविड-19 नियमों को तोड़ने सहित कई आरोपों का सामना कर रही हैं।

सेना के खिलाफ प्रदर्शन में 70 से ज्यादा की मौत

1 फरवरी को सैन्य शासन लगने और तख्तापलट के बाद से म्यांमार की सड़कों पर लगातार प्रदर्शन जारी है। वहीं, सेना इन प्रदर्शनकारियों पर लगातार दमन की नीति अपनाए हुए है। सैकड़ों की संख्या में लोग सैन्य शासन के खिलाफ पूरे देश में सड़कों पर डटे हुए हैं। साउथ एशियन देशों में ह्यूमन राइट के एक्सपर्ट का कहना है कि अब तक प्रदर्शन के दौरान 70 लोगों की मौत हुई है। जबकि 2 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले गुरुवार को भी विरोध के दौरान 7 लोगों की मौत हो गई।

न्यू इंडिया में न्यू असम की पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका होगी : डा जितेंद्र सिंह

डा सिंह ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र की पत्रकारिता की एक समृद्ध परंपरा है, असम में पत्रकारिता का इतिहास भारत के साथ-साथ पूर्वोत्तर के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास से जुड़ा हुआ है, 1970 के आसपास असम की पत्रकारिता सामाजिक विषयों के लिए समर्पित थी।

नई दिल्ली। जब भारत आजादी के 75वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तब असम की पत्रकारिता 175 वर्ष पूर्ण कर चुकी है। आज से 25 वर्ष बाद जब भारत आजादी की 100वीं सालगिरह मना रहा होगा, तब असम की पत्रकारिता 200 वर्ष पूर्ण कर रही होगी। उस वक्त के न्यू इंडिया में न्यू असम की पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह विचार केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डा जितेंद्र सिंह ने सोमवार को मुख्य अतिथि के तौर पर भारतीय जन संचार संस्थान (आइआइएमसी) द्वारा 'असम में पत्रकारिता के 175 वर्ष' पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित सेमिनार में व्यक्त किए। डा सिंह ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र की पत्रकारिता की एक समृद्ध परंपरा है। असम में पत्रकारिता का इतिहास भारत के साथ-साथ पूर्वोत्तर के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास से जुड़ा हुआ है। 1970 के आसपास असम की पत्रकारिता सामाजिक विषयों के लिए समर्पित थी, लेकिन इसके बाद मीडिया ने सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि असम की पत्रकारिता को अब अगले 25 वर्षों का लक्ष्य तय करना करना चाहिए। उसे नए विचारों पर काम करना चाहिए और समाज की समस्याओं का समाधान कर नई उपलब्धियां हासिल करनी चाहिए। वहीं, कार्यक्रम में मौजूद आइआइएमसी के महानिदेशक संजय द्विवेदी ने कहा कि असम में मीडिया के 175 वर्ष पूर्ण होने का यह अवसर असमिया साहित्य और पत्रकारिता के उन दिग्गजों के बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने असम में मीडिया की नींव रखी। उन्होंने कहा कि ऐसी महान हस्तियों के कारण ही असम, न सिर्फ पूर्वोत्तर भारत के प्रहरी के रूप में स्थापित हुआ, बल्कि साहित्य, संस्कृति और आध्यात्म के क्षेत्र में भी उसने अपनी अलग पहचान बनाई। असम राज्य सूचना आयोग के सूचना आयुक्त समुद्रगुप्त कश्यप ने कहा कि असम को लोग भूपेन हजारिका के नाम से जानते हैं, लेकिन लोग ये नहीं जानते कि वो देश के पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने वर्ष 1949 में कोलंबिया यूनिवर्सिटी से जनसंचार में पीएचडी की थी। उन्होंने कहा कि भूपेन हजारिका सिर्फ गीतकार और संगीतकार ही नहीं थे, बल्कि एक कुशल पत्रकार भी थे। 'दैनिक पूर्वांचल प्रहरी' के कार्यकारी संपादक वशिष्ठ नारायण पांडेय ने कहा कि एक वक्त था, जब आतंकवाद के खिलाफ रिपोर्टिंग करना असम में जोखिम भरा काम था। इस दौरान कई पत्रकारों को

1970 के आसपास असम की पत्रकारिता सामाजिक विषयों के लिए समर्पित थी, लेकिन इसके बाद मीडिया ने सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

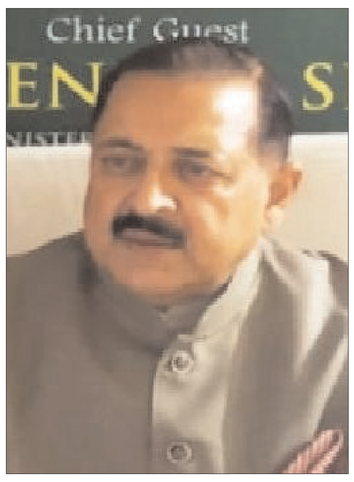

अपनी जान गंवानी पड़ी, लेकिन इसके बावजूद मीडिया ने सत्य के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि आज असम की हिंदी पत्रकारिता में स्पर्धा का दौर शुरू हुआ है और इसके कारण पाठकों को उनकी रुचि के अनुसार सामग्री पढ़ने को मिल रही है। 'द असम ट्रिब्यून' के कार्यकारी संपादक प्रशांत ज्योति बरुआ ने कहा कि असम में पत्रकारिता की शुरुआत लोगों की समस्याओं को उन्हीं की भाषा में अधिकारियों तक पहुंचाने से हुई। असमिया, हिंदी और अंग्रेजी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं ने पत्रकारिता के माध्यम से समाज की समस्याओं का समाधान करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि समय के साथ मीडिया की भूमिका भी बदली है, लेकिन इसका उद्देश्य अब भी वही है। कार्यक्रम का संचालन आईआईएमसी के डीन (छात्र कल्याण) प्रो. प्रमोद कुमार ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. शाश्वती गोस्वामी ने किया। समारोह में संस्थान के समस्त विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

दिल्ली के लाखों लोगों के लिए खुशखबरी

होली बाद रफ्तार भरेंगे वाहन

नई दिल्ली। होली त्योहार के बाद दिल्ली के साथ उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ समेत कई जिलों के लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, एक पखवाड़े बाद यानी 31 मार्च से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे को वाहनों के लिए खोलने की पूरी तैयारी की जा रही है। केंद्र सरकार के निर्देश पर एनएचएआइ ने इस प्रोजेक्ट के दूसरे चरण में बचे शेष कार्यों को अगले दस दिन में पूरा करने के लिए अतिरिक्त इंजीनियर एवं कामगार लगा दिए हैं। अंतिम एबीईएस अंडर पास की छत डाल दी गई है। लालकुआं का कार्य अगले तीन दिन में पूरा हो जाएगा। डासना आरओबी एवं एलिवेटिड रोड का निर्माण कार्य पूरा करने के बाद फिनिशिंग का कार्य चल रहा है। एनएचएआइ के अफसर ने बताया कि 31 मार्च को एक्सप्रेस-वे को चालू किए जाने की प्रस्तावित तिथि मिल गई है। चिपियाना आरओबी कार्य जारी रहेगा। उधर, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे को खोले जाने को लेकर एनएचएआइ की ओर से कोई बयान नहीं आया है, लेकिन मेरठ के भारतीय जनता पार्टी के सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने एलान किया है कि होली बाद आगामी 31 मार्च को एक्सप्रेस-वे खोल दिया जाएगा। जाहिर है कि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे के चालू होने से दिल्ली-एनसीआर के लोगों को राहत मिलने शुरू हो जाएगी। उधर, एनएचएआइ लगातार दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे को समय पर चालू करने का दावा कर रहा है,

लेकिन उसने तारीख का एलान विधिवत नहीं किया है। इस बीच एनएचएआइ अधिकारियों का कहना है कि इसी सप्ताह 20 मार्च तक एक्सप्रेस-वे का मेरठ डासना खंड तैयार हो जाएगा। वाहन चालकों के लिए इसे कब खोला जाएगा, इस पर अधिकारियों का कहना है कि इसकी तारीख अभी नहीं बताई गई है। उधर, मेरठ के सांसद राजेंद्र अग्रवाल के एलान पर एनएचएआइ के अधिकारी व दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे के प्रोजेक्ट मैनेजर अरविंद कुमार ने बताया कि किसी भी एक्सप्रेसव-वे का चालू करने की तारीख राजमार्ग मंत्रालय से निर्धारित होती है। यदि सांसद ने 31 मार्च खोलने की घोषणा की है तो मंत्रालय से बात करके ही की होगी। वैसे 31 तक एक्सप्रेस-वे तैयार हो ही जाएगा। बता दें कि तकरीबन 5000 करोड़ की लागत से निर्मित दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे की शुरुआत होने से गाजियाबाद से मेरठ के बीच आना-जाना बेहद आसान हो जाएगा। एनएचएआइ अधिकारियों की मानें तो एक्सप्रेस-वे चालू होने से गाजियाबाद से मेरठ जाने में सिर्फ 25 मिनट लगेंगे, वहीं. दिल्ली से मेरठ का सफर 45 मिनट में पूरा होगा।

संयुक्त किसान मोर्चा ने जत्थेबंदियों से कहा जीटी रोड पर न करें मनमानी

नई दिल्ली। जीटी रोड पर बीते कुछ दिनों से हो रहे पक्के निर्माण पर संयुक्त किसान ने नया ऐलान किया है। मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि जीटी रोड पर बैठे आंदोलनकारी वहां पर पक्का निर्माण न करें। दरअसल यहां पर पंजाब के किसान जत्थेबंदी बीते कुछ दिनों से पक्का निर्माण कर रहे हैं। उनका कहना था कि वो यहां पर पक्का निर्माण करेंगे और प्लाट भी काटेंगे। बता दें कि जीटी रोड पर मुख्य मंच से थोड़ा आगे पानीपत-दिल्ली लेन पर आंदोलनकारियों ने ईंट व सीमेंट से कमरों का निर्माण शुरू कर दिया है। यहां 18-18 फुट के तीन कमरे बनाए जा रहे हैं। पहले पराली से इसकी छत निर्माण की बात कही जा रही थी, ताकि गर्मी से बचाव हो सके, लेकिन अब कड़ियों व लकड़ी के फट्टे से छत बनाने और उसके ऊपर भी कमरे बनाए जाएंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा आंदोलनकारियों के रहने की व्यवस्था हो सके।

कुंडली और टीकरी बॉर्डर के धरनास्थल पर पक्के मकान ध्वस्त करेगा प्रशासन

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली और हरियाणा को जोड़ने वाले कुंडली व टीकरी बार्डर पर चल रहे धरने की जगहों पर किए गए पक्के निर्माण अब ध्वस्त किए जाएंगे। पुलिस-प्रशासन ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है। पहले आंदोलन कर रहे नेताओं से इन अवैध निर्माण को गिराने को कहा जाएगा। अगर वे नहीं माने तो प्रशासन सख्ती से हटवाएगा। सोनीपत के डीएसपी मुख्यालय वीरेंद्र सिंह और कुंडली के एसएचओ रवि कुमार की टीम अवैध निर्माण होने की सूचना पर कुंडली पहुंची थी। वहां पर पुलिस ने निर्माण कार्य बंद करा दिया। वहीं, निर्माण करा रहे लोगों ने बताया कि उनका नेतृत्व करने वालों ने पक्का निर्माण करने का निर्देश दिया था। इस बीच, स्थानीय प्रशासन ने पूरे मामले की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी है। एनएचएआइ के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आनंद कुमार की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर चुकी है। कुंडली नगरपालिका के सचिव पवन कुमार ने अवैध बोरवेल कराने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें पंजाब के रहने वाले कर्मसिंह को नामजद किया गया है। धरनास्थल पर पक्का निर्माण करने पर मुकदमे दर्ज होने के बाद संयुक्त किसान मोर्चा के सुर बदल गए हैं। मोर्चा ने रविवार को पंजाब के किसान संगठनों के साथ बैठक के बाद आंदोलनकारियों से पक्का निर्माण नहीं करने की अपील की है। कहा, ऐसा कोई काम नहीं करें, जिससे आंदोलन कमजोर हो। बंगाल चुनाव में भाजपा के खिलाफ प्रचार कर रहे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की घोषणा के बाद पुलिस-प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। राकेठ टिकैत ने बंगाल में कहा था कि सिंघु और टीकरी बार्डर की तरह यूपी बार्डर (गाजीपुर बार्डर) पर भी पक्का निर्माण किया जाएगा। अपर जिलाधिकारी नगर शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि यूपी बार्डर पर किसी भी तरह का अवैध निर्माण नहीं करने दिया जाएगा। कुंडली बॉर्डर पर धरने पर बैठे आंदोलनकारी हाईवे पर ईंटों से निर्माण कर मकान बनाने लगे हैं। वे पूरी तरह मनमानी पर उतर आए हैं और किसी की बात मानने को तैयार नहीं हैं। टीकरी बार्डर पर पक्के निर्माण और सबमर्सिबल लगाने से पंजाब के किसान नेता असहज हो गए हैं।

आर्च की ऊंचाई 42 फीट है, जबकि गेट की कुल ऊंचाई 100 फीट के करीब है। ये गेट चार मंजिला बने हैं। इन्हीं में से एक लाहौरी गेट पर सात गुंबदों के बीच तिरंगा लगा हुआ है, जिसके पास 26 जनवरी को उपद्रवियों ने अपना झंडा फहरा दिया था।

उत्तरी दिल्ली के श्मशान घाटों और शवदाह गृहों पर ही मिल जाएगा जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र

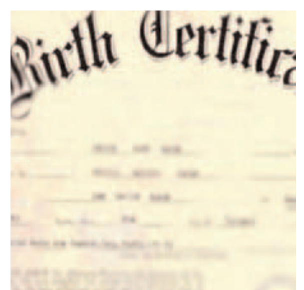

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए लोगों को दर-दर भटकना नहीं पड़ेगा। उत्तरी दिल्ली के सभी श्मशान घाटों और शवदाह गृहों पर ही जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र मुहैया कराने की सुविधा शुरू होगी।

फिलहाल इन प्रमाण पत्रों लेने के लिए लोगों को निगम के जोन कार्यालय जाना पड़ता है। उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने बताया कि शवदाह गृहों या श्मशान घाटों पर ही एक नागरिक सुविधा केंद्र खोलने की योजना है। लोग यहां पर जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र का आवेदन करने से लेकर प्रमाण पत्र का प्रिंट भी ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि जिन लोगों का जन्म या मृत्यु अस्पताल में होती है, उनका कंप्यूटरीकृत रिकार्ड वहां से निगम के पास आ जाता है।

लोग उसे आनलाइन भी डाउनलोड कर प्रिंट निकाल सकते हैं, लेकिन, घर पर हुए जन्म और मृत्यु के प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करना पड़ता है। ऐसे लोगों की परेशानी को देखते हुए श्मशान घाटों और शवदाह गृहों पर भी प्रमाण पत्र प्राप्त करने की सुविधा दी जाएगी। उत्तरी और दक्षिणी निगम में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए शुरू किए गए पोर्टल से लोगों को हो रही परेशानी का मुद्दा दैनिक जागरण लगातार उठा रहा है। 19 फरवरी के संस्करण में खबर भी प्रकाशित की गई थी। इतना ही नहीं, निगम की स्थायी समिति की बैठक से लेकर सदन की बैठक में जब भी यह मुद्दा उठा तो इसे प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। नए पोर्टल में लोगों के मोबाइल पर वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) की अनिवार्यता के चलते लोगों को परेशानी होती है।

अभिनेता दिलीप ताहिल के साथ टीका लगवाएंगे महापौर

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने बताया कि वह सोमवार को कोरोना टीका लगवाएंगे। खास बात है कि उनके साथ अभिनेता दिलीप ताहिल भी हिंदूराव अस्पताल में टीका लगवाएंगे। महापौर ने बताया कि हर किसी को अपने और दूसरों को कोरोना से सुरक्षित रखने के लिए अपने चरण में टीका लगवाना चाहिए।

हम सभी भाग्यशाली हैं की हमारे देश में कोरोना का टीका विकसित हुआ है और अन्य देश भारत में विकसित इस टीके की ओर देख रहे हैं। यह अधिक विश्वसनीय और सुरक्षित है। इसलिए हमें खुद को स्वस्थ और सुरक्षित रखने के लिए टीका लगवाना चाहिए है ताकि हम सभी कोविड-19 के खतरनाक प्रभाव से बच सके। जय प्रकाश ने बताया कि दिलीप ताहिल 31 मार्च से पहले बकाया संपत्तिकर धारकों से संपत्तिकर जमा करने की अपील भी करेंगे। वहीं, राजधानी में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण पर रोकथाम के लिए प्रशासनिक स्तर पर टीकाकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उत्तर पश्चिमी जिले के सरस्वती विहार क्षेत्र में सिविल डिफेंस कर्मियों की 13 टीमें कोरोना टीकाकरण को लेकर घर पर जा कर लोगों को जागरूक कर रही हैं। जागरूकता के साथ टीम लोगों को कोरोना टीकाकरण के पंजीकरण में भी मदद कर रही है ताकि टीकाकरण के लिए होने वाले पंजीकरण में परेशानी न हो। एसडीएम सरस्वती विहार डा. रेहान रजा ने बताया कि क्षेत्र में सिविल डिफेंस कर्मियों की 13 टीमों का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि टीम क्षेत्र में घर-घर जाकर टीकाकरण के लिए पंजीकरण करवा रही है। टीम द्वारा अब तक क्षेत्र के हजारों लोगों का पंजीकरण कराया गया है। टीम कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए भी लोगों को जागरूक कर रही है। उन्होंने बताया कि यह पूरा अभियान उत्तर पश्चिमी जिले की जिला अधिकारी चेष्टा यादव के निर्देशन पर संचालित किया जा रहा है।

दोषी ढ्ढस्रूआतंकी आरिज खान की सजा पर बहस पूरी, 4 बजे होगा सजा पर एलान

नई दिल्ली। 13 साल पहले वर्ष 2008 के बाटला हाउस मुठभेड़ में दोषी करार दिए गए इंडियन मुजाहिदीन के आतंकी आरिज खान को सोमवार शाम 4 बजे सजा सुनाई जाएगी। इससे पहले सुबह सजा पर दोनों पक्षों में जमकर बहस हुई। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने सजा पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। शाम 4 बजे सजा पर एलान होगा। बता दें कि दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने उसे इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा की हत्या का दोषी पाया है। मुजफ्फरनगर निवासी आरिज खान मुठभेड़ के बाद फरार हो गया था, जिसे फरवरी, 2018 में गिरफ्तार किया गया था। बीटेक पास आरिज को विस्फोटक विशेषज्ञ माना जाता है। आरिज, मुठभेड़ के बाद पहले तो एक महीने तक विभिन्न प्रदेशों में छिपता रहा। इसके बाद वह नेपाल भाग गया और अब्दुल सुभान कुरैशी उर्फ तौकीर (इंडियन मुजाहिदीन का सह संस्थापक) के साथ पहचान छिपाकर रहने लगा था। कुछ साल बाद दोनों सऊदी अरब चले गए। इसके बाद आइएम के पाकिस्तान में बैठे आकाओं इकबाल भटकल व रियाज भटकल ने दोनों को वापस भारत जाकर आइएम व सिमी को नए सिरे से संगठित करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद दोनों 2018 के मार्च से भारत आने-जाने लगे थे। इसी क्रम में सेल ने पहले कुरैशी और फिर आरिज को दबोच लिया था। आरिज आइएम के आजमगढ़ माड्यूल का सक्रिय आतंकी है। आरिज ने नेपाल की ही युवती से शादी भी कर ली थी आरिज व कुरैशी को किसी रिश्तेदार ने शरण नहीं दी। एक महीने तक पुलिस से बचने के लिए दोनों ने देशभर में ट्रेनों व बसों में ही सफर कर समय बिताया। इसके बाद दोनों नेपाल भाग गए। वहां एक ही जगह रहकर दोनों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिये नेपाल की नागरिकता प्राप्त कर ली। वहां एक युवक निजाम खान के सहयोग से उन्हें नेपाल में किराये पर घर मिल गया।इसके कुछ माह बाद उन्होंने मतदाता पहचान पत्र व पासपोर्ट भी बनवा लिए। आरिज ने नेपाल की ही युवती से शादी भी कर ली थी। उसने पत्नी को बताया था कि एक विवाद में फंसने के कारण वह उसे पैतृक घर नहीं ले जा सकता है।

इस एफओबी पर बाइक से सड़क पार करते हैं लोग, पैदल चलने वाले होते हैं किनारे

दक्षिणी दिल्ली। मथुरा रोड पर आली गांव के सामने पैदल यात्रियों के लिए बनाए गए फुट ओवरब्रिज (एफओबी) पर हमेशा बाइक सवारों का ही कब्जा रहता है। ऐसे में पैदल यात्रियों को डिवाइडर फांदकर सड़क पार करना पड़ता है।

पैदल यात्रियों का कहना है सड़क पार करने के लिए बाइक सवार एफओबी पर ही बाइक चढ़ा देते हैं इससे उन्हें एफओबी पर चलने की जगह नहीं मिल पाती है। सड़क पार करने से हादसे का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने इस बारे में कई बार शिकायत भी की लेकिन इस समस्या का समाधान नहीं हो सका।

यहां आसपास की फैक्टियों व आफिस में काम करने वाले लोगों का कहना है कि उन्होंने अधिकारियों से मांग की थी कि इस पर बाइक चढ़ाने का रास्ता बंद कर दिया जाए, लेकिन समस्या का कोई हल नहीं निकला। यही नहीं मौके पर मौजूद यातायात पुलिसकर्मियों के टोकने के बावजूद लोग नहीं मानते हैं।

राजधानी में पैदल सड़क पार करने वालों की सुविधा के लिए कई चौराहों पर इस तरह से एफओबी बनाए गए हैं मगर उनका पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है। कुछ एफओबी तो मात्र विज्ञापन का बोर्ड लगाने के लिए ही बच गए थे। खैर अब इनकी संख्या बहुत ही कम दिखती है मगर जो भी एफओबी बने हुए हैं उनका प्रॉपर तरीके से इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है। दिल्ली में सरकार ने पैदल सड़क पार करने वालों की सुविधा के लिए कई तरह के आकर्षक एफओबी तैयार करवाए हैं। जिससे लोग इन्हीं का इस्तेमाल करें उसके बाद भी काफी संख्या में लोग वाहनों के बीच से ही सड़क के पार जाते दिख जाते हैं।

कई एफओबी पर पैदल चढ़ने में परेशानी को देखते हुए वहां लिफ्ट का भी प्राविधान किया गया है जिससे लोगों को ऊपर तक चढ़ने में समस्या न हो उसके बाद भी लोग इसका इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं।

एसबीआई समेत देश के कई सरकारी बैंकों में हड़ताल, दिल्ली-एनसीआर में भी असर

नई दिल्ली। सरकारी बैंकों के निजीकरण के विरोध में सोमवार सुबह से दिल्ली-एनसीआर के बैंकों में हड़ताल जारी है। दो दिवसीय हड़ताल के चलते मंगलवार को भी बैंकों में कामकाज नहीं होगा। बैंक यूनियनों के मुताबिक, दो दिवसीय इस हड़ताल में देशभर के 10 लाख से अधिक कर्मचारी शामिल हैं। इस हड़ताल में सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण बैंक भी शामिल हैं। ऐसे में लगातार दो दिन तक उपभोक्ताओं को परेशान होना पड़ेगा। हड़ताल की कड़ी में सरकारी बैंकों के निजीकरण के विरोध में ट्रांस हिंडन के बैंकों में भी सोमवार और मंगलवार को हड़ताल है। इस दौरान बैंक पहुंचे लोगों का काम नहीं हुआ। लोग सेल्फ सर्विस एरिया में लगे कैश डिपाजिट मशीन व एटीएम से नकदी निकलवा व जमा कर रहे हैं।

पूर्वी दिल्ली में निजीकरण के विरोध में यमुनापार के कई इलाकों में सोमवार को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंकिंग यूनियन के आदेश पर कई सरकारी बैंक बंद हैं। इसी के तहत लक्ष्मी नगर ब्रांच में पंजाब नेशनल बैंक भी बंद है। हालांकि क्षेत्र में निजी बैंक संचालित हैं।

दिल्ली से सटे गुरुग्राम में बस अड्डा रोड स्थित पीएनबी बैंक के बाहर पहुंचे उपभोक्ताओं को निराश होकर वापस लौटना पड़ा। हड़ताल से बैंक शाखाओं में जमा, निकासी सहित चेक क्लियरैंस और लोन अप्रूवल सर्विसेस प्रभावित हैं, लेकिन एटीएम चल रहे हैं। बता दें कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन की तरफ से पूरे देशभर में दो दिन की हड़ताल पब्लिक सेक्टर बैंकों को निजीकरण के हवाले करने और रेट्रोग्रेड बैंकिग रिफॉर्म के विरोध में की जा रही है। देश के प्रमुख प्राइवेट बैंक खुले रहेंगे। गुरुग्राम में बैक बंद होने के बाद उपभोकताओ को काफी दिक्कत होगी, क्योंकि 13 और 14 मार्च को भी बैंक बंद थे।

मिली जानकारी के मुताबिक, देश की 9 बैंक यूनियन के केंद्रीय संगठन यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के आह्वान पर हुई हड़ताल की वजह से सरकारी बैंकों के कामकाज पर असर दिखाई दे रहा है। इस हड़ताल का प्रभाव देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ केनरा बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र समेत दूसरे बैंकों में हो रहा है। बैंकों ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कई खास कदम डी उठाए हैं। मसलन ब्रांच और दफ्तरों में सामान्य कामकाज सुनिश्चित रूप से चलता रहे, इसको लेकर इंतजाम किए गए हैं।

सरकारी बैंकों में हड़ताल का असर सोमवार सुबह ही दिल्ली-एनसीआर में दिखाई दे रहा है। प्रचार के बावजूद लोग बैंकों के दफ्तर पहुंचे, जहां उन्हें हड़ताल की जानकारी मिली। ऐसे में उन्हें निराश होकर घर लौटना पड़ा। मंगलवार को भी बैंकों में हड़ताल है, इससे लोगों की चिंता बढ़ी है। उधर, गाजियाबाद में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर राष्ट्रीयव्यापी दो दिन 15 व 16 मार्च की हड़ताल के पहले दिन स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सामने सुबह 10.30 से जोरदार प्रदर्शन किया गया, जिसमें बेंकिंग रिफार्म के नाम पर भारत की मजदूर विरोधी नीतियों एवं बजट के दौरान दो सरकारी बैंकों के निजीकरण की घोषणा करने पर तमाम बैंकर्स में वर्तमान सरकार के खिलाफ काफी रोष दिखाई दिया। इस दौरान केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया।

दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कोरिडोर, 15 किलोमीटर से अधिक के हिस्से पर पिलर निर्माण पूरा

नई दिल्ली। दिल्ली मेरठ के बीच हाई स्पीड सफर का आनंद लेने के लिए तैयार की जा रही दिल्ली- गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कोरिडोर के निर्माण ने रफ्तार पकड़ ली है। इस 82 किलोमीटर लंबे कोरिडोर पर 15 किलोमीटर से अधिक के हिस्से पर पिलर निर्माण का काम पूरा हो चुका है। यह पूरे कोरिडोर का करीब 20 फीसदी हिस्सा है।

एनसीआर परिवहन निगम से मिली जानकारी के अनुसार 15 किमी के हिस्से में लगभग 533 पिलर लगाए गए हैं। इन पिलरों पर आरआरटीएस (रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम) वायडक्ट, जिस पर ट्रेन चलती है, का लगभग 3.5 किमी हिस्सा भी निर्मित हो चुका है। वहीं अन्य बचे हुए हिस्से पर तेजी से काम किया जा रहा है।

10 लॉन्चिंग गैंट्रीज (तारिणी) आरआरटीएस वायडक्ट के बाकी हिस्सों के लिए काम कर रहे हैं। 82 किमी लंबे दिल्ली-मेरठ कोरिडोर के निर्माण में तेजी लाने के लिए एनसीआरटीसी ने दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड, बीएसईएस, भारतीय रेलवे, पावरग्रिड, पावर लिंक सहित अन्य विभागों के सहयोग से अब तक 32 ईएचटी लाइनों के स्थानांतरण का काम भी सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। बता दें कि साहिबाबाद से दुहाई के बीच 17 किमी के प्राथमिकता वाले खंड को 2023 तक और 2025 तक पूर्ण कोरिडोर को शुरू करने का लक्ष्य है। साहिबाबाद और दुहाई के बीच 17 किमी प्राथमिकता खंड पर साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलदार और दुहाई चार स्टेशनों का फाउंडेशन कार्य पूरा हो चुका है। इन स्टेशनों के लिए सुपरस्ट्रक्चर का निर्माण कार्य जारी है। दिल्ली मेरठ के बीच तैयार हो रहे रैपिड रेल कोरिडोर के तहत यमुना नदी पर 17वां पुल बनाया जाएगा। इस पुल को बनाने का काम भी शुरू हो गया है। एनसीआर परिवहन निगम के अनुसार यमुना नदी पर 1.35 किलोमीटर लंबे पुल का निर्माण होगा। यह यमुना नदी पर आने वाला 17 वां पुल होगा।

संपादकीय

अब नवाचारों को परखने का समय

हाल-फिलहाल के वर्षों में किसी भी अन्य घटना से कहीं ज्यादा इस महामारी ने जीवन, आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। इस दौर की चुनौतियों से पार पाने के लिए दुनिया भर में नवाचार, यानी इनोवेशन हुए हैं और उनके मुताबिक कुछ तौर-तरीके भी बदले गए हैं, लेकिन इनका लाभ चंद लोगों को ही मिल सका, सभी को नहीं। स्वास्थ्य सेवाओं की बात करें, तो बेहतर स्वास्थ्य-व्यवहार अपनाने के उपाय, स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचों की सीमाएं, मानव संसाधनों की उपलब्धता में कमी और आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट जैसी समस्याएं व्यापक तौर पर देखी गई हैं। बेशक ये सभी महामारी की देन नहीं थीं, बल्कि कई तो पहले से हमारे समाज में मौजूद थीं, लेकिन महामारी के दौरान ये सभी समस्याएं कहीं ज्यादा गहरी नजर आईं। हमने देखा कि किस तरह से संक्रमण से बचाव और उससे निपटने जैसे कामों में स्वास्थ्यकर्मियों को लगाया गया। उन्हें अपनी नियमित जिम्मेदारियों से अलग कर दिया गया, जिस कारण उन सेवाओं में स्वास्थ्यकर्मियों की कमी हो गई। इसी तरह, कोरोना मरीजों की जांच और इलाज के लिए स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी सुविधाएं इस्तेमाल की जाने लगीं, जिससे नियमित सेवाएं उन सुविधाओं से महरूम हो गईं। आपूर्ति श्रृंखला लॉकडाउन की वजह से बाधित हो ही गई थी। इन सभी से नियमित स्वास्थ्य सेवाएं, जैसे नियमित टीकाकरण, टीबी के मरीजों की जांच व इलाज, मातृ एवं बाल स्वास्थ्य देखभाल और पोषण संबंधी कार्यक्रमों में खासा रुकावट पैदा हुई। पर भारत के लिए नवाचार कोई नई घटना नहीं है। महामारी के कुछ महीनों में ही ऐसे कई प्रयोग हुए, जो स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों की कुछ समस्याओं को हल करते दिखे। कम से कम चार मामलों में खासा नवाचार हुए। पहला मामला है, प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना। दूसरा, सामुदायिक (सोशल) मंचों का फायदा लेना। तीसरा, अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को सशक्त बनाना और चौथा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बढ़ोतरी करना। ज्यादातर नवाचारों में डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाया गया। जैसे, सुदूर इलाकों में ऑनलाइन काउंसिलिंग की गई और लोगों को परामर्श दिए गए; राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की निगरानी के लिए बाल विकास-निगरानी एप बनाया गया; उत्तर प्रदेश में नियमित टीकाकरण के बारे में लाभार्थी समाज के लिए 'रिमांइडर कॉल' की व्यवस्था की गई; गुजरात, केरल और पंजाब में अग्रिम मोर्चे के स्वास्थ्यकर्मियों के लिए टीबी व कोविड से जुड़े डिजिटल निगरानी एप तैयार किए गए; छाती का स्कैन करने व गड़बड़ियों का पता लगाने के लिए कृत्रिम-बुद्धिमता, यानी एआई आधारित जांच की व्यवस्था की गई। विभिन्न संगठनों ने अग्रिम मोर्चे के अपने कर्मचारियों के प्रशिक्षण और उन तक सूचना आदि पहुंचाने के लिए डिजिटिल मंचों का इस्तेमाल किया। इस तरह की अनेक सेवाएं शुरू की गईं, जिनमें ई-संजीवनी, स्वस्थ, प्रैक्टो, पोर्टिया, टेको, अनमोल जैसे नाम प्रमुख हैं। स्वयं सहायता समूहों और ग्राम संगठनों के रूप में समुदाय-आधारित संस्थाओं की भागीदारी ने समाज में हाशिये के लोगों की सेवा करने की क्षमता बढ़ाने में मदद की। जागरूकता के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा सक्रिय टीबी रोगियों की खोज; हेल्पलाइन नंबरों द्वारा स्वयंसेवक समूहों द्वारा गर्भवती महिलाओं के लिए समय पर सूचना पहुंचाना; पंचायती राज संस्थाओं के सहारे जरूरी स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने में मदद जैसे कामों ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने में अपना योगदान दिया। ई-फार्मेसी के माध्यम से टीबी के इलाज व घर पर दवा पहुंचाने के लिए सोशल फ्रेंचाइजिंग मॉडल का भी इस्तेमाल किया गया। वैसे भारत में कई नवाचार शुरू तो हुए, लेकिन उनके दायरे और प्रभाव का शायद ही मूल्यांकन किया गया। देखा जाए, तो देश में सफल नवाचारों के विस्तार और प्रसार की पर्याप्त क्षमता है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि सरकार इनकी क्षमता को नहीं समझ रही। टेलीमेडिसिन के लिए दिशा-निर्देश जारी करना और राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन की शुरुआत दरअसल, डिजिटल प्लेटफॉर्म से अधिक से अधिक लाभ लेने का आधार ही तो है। बेशक ग्रामीण भारत में इंटरनेट की सीमा, इंटरनेट के इस्तेमाल में लैंगिक असमानता व डाटा साझा करने संबंधी मानदंडों की चिंताएं डिजिटल मंचों के प्रभाव को सीमित करती हैं। पर स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मंचों पर ध्यान देकर कुछ हद तक सूचना की जरूरत, काउंसिलिंग, घर तक दवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने जैसी मांग और आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का हल निकाला जा सकता है। इसी तरह, मजबूत नीतियां बनाकर स्वयं सहायता समूहों की सात करोड़ महिला सदस्यों को स्वास्थ्य सेवा में संस्थागत भूमिका निभाने के लिए सक्षम बनाया जा सकता है। जरूरी सेवाओं की मांग और स्वास्थ्य सेवाओं की जवाबदेही तय करने जैसे कामों में उनकी मदद ली जा सकती है। महामारी के समय तमाम तरह के नवाचार हुए। कुछ का इस्तेमाल छोटी-छोटी जगहों पर भी हुआ, कुछ का उपयोग निजी संगठनों ने किया और बाकी सरकार ने। पर ज्यादातर के प्रभावों का मूल्यांकन नहीं किया गया है। इनके लिए नीतियां बनाने की दरकार है, खासतौर से उनके प्रभाव का आकलन करने के लिए। नवाचारों के भौगोलिक दायरों को पहचानने के लिए, वर्तमान सेवाओं के साथ उनकी सहभागिता परखने के लिए और निजी नवाचारियों के साथ सार्थक साझेदारी विकसित करने के लिए भी असर का आकलन करना चाहिए। नवाचारों के लिए कम से कम तीन पहलुओं पर हमें विशेष ध्यान देना होगा। एक, नवाचार के प्रभाव का आकलन के साथ ही उसे प्रमाणपत्र भी देना होगा, जिसके लिए संस्थागत तंत्र की दरकार होगी। दूसरा, ऐसा नीतिगत वातावरण बनाना होगा, जो नवाचारों के सार्वजनिक अनुबंधों को प्रोत्साहित करे। यह उस संदर्भ में खास जरूरी है, जब सार्वजनिक व्यवस्था में मौजूद व आजमाए गए उत्पादों या सेवाओं की खरीद का बड़ा लाभ मिलता हो। तीसरा पहलू, अनुदान व कर्ज के लिए ऐसा तंत्र बनाना, जो निवेशकों को स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरतें पूरी करने में सक्षम बनाए। उल्लेखनीय है कि जिन डिजिटल मंचों पर ये नवाचार मौजूद हैं, उनके पास पूंजी कम है। चूंकि महामारी के समय हमें इनका लाभ मिला है, तो हम इनकी मदद से मजबूत स्वास्थ्य तंत्र बना सकते हैं।

प्रवीण कुमार सिंह

पश्चिम बंगाल का चुनाव देश के अन्य राज्यों के विधानसभाओं के चुनाव से थोड़ा अलग

> दरअसल स्वतंत्रता के कई वर्षों बाद जब बंगाल में वामपंथियों का शासन आरंभ हुआ तो इस हिंदू नवजागरण की परंपरा थोड़ी धूमिल पड़ने लगी। सायास नवजागरण के दौर के लेखकों की उन रचनाओं को भुलाने की कोशिशें तेज हो गई जिनमें हिंदू अस्मिता की चर्चा थी या उन पुस्तकों को ओझल करने का खेल शुरू हुआ जिनमें हिंदू धर्म और उसपर होनेवाले प्रहारों का उल्लेख था या इस पृष्ठभूमि पर लिखा गया था। यह अनायास नहीं है कि जब ज्योति बसु बंगाल के मुख्यमंत्री थे तो 28 अप्रैल 1989 को पश्चिम बंगाल सरकार ने अपने पत्रांक एसवाईएल/89/1 के जरिए एक निर्देश जारी किया।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद सभी राजनीतिक दल एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी के सामने भारतीय जनता पार्टी एक बड़ी चुनौती लेकर खड़ी है। कांग्रेस और वामपंथियों का गठबंधन अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए संघर्षरत दिखाई दे रहे हैं। पश्चिम बंगाल का चुनाव देश के अन्य राज्यों के विधानसभाओं के चुनाव से थोड़ा अलग हटकर है। यहां बंगाल की संस्कृति और बंगाली अस्मिता भी प्रमुख चुनावी मुद्दा बनते हैं। भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस लगातार वहां की संस्कृति की बात कर रही है। तृणमूल कांग्रेस खुद को बंगाल की संस्कृति का ध्वजवाहक बताते हुए चुनाव मैदान में है।

ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के कई नेता लेखकों, कलाकारों और फिल्म अभिनेताओं के संपर्क में हैं। उधर भारतीय जनता पार्टी के नेता भी सोनार बांगला के नारे के अंतर्गत बंगाल की खोई हुई अस्मिता को वापस लाने की बात करते हुए लगातार बुद्धिजीवियों के संपर्क में हैं। जब ममता बनर्जी बंगाल में वामपंथियों के खिलाफ पहली बार चुनाव लड़ रही थीं तब कोलकाता की सड़कों पर कई होर्डिंग लगे थे जिसमें महाश्वेता देवी समेत कई लेखकों कलाकारों के चित्र लगे थे और उसमें बांग्ला में लिखा था 'परिवर्तन'। तब ये माना गया था कि इन होर्डिंग्स का मतदताओं पर असर पड़ा था। पश्चिम बंगाल में अब भी लेखकों, कलाकारों और संस्कृतिकर्मियों को गंभीरता से लिया जाता है और लोग उनका आदर भी करते हैं। इस आदर की ऐतिहासिक वजहें हैं। माना जाता है कि बंगाल के महापुरुषों ने सबसे पहले एक राष्ट्र का स्वप्न देखा था। भारतीयता के अराधक राजा राममोहन राय बंगाल की धरती पर पैदा हुए थे।

राजा राममोहन राय से लेकर रवीन्द्रनाथ ठाकुर तक जो परंपरा चली जिसे नवजागरण के नाम से जानते हैं उसमें केंद्र में भी भारत और भारतीयता है। इस नवजागरण का जब विश्लेषण किया जाता है तो इस बात को छोड़ दिया जाता है कि दरअसल ये नवजागरण, हिंदू नवजागरण था। इस राष्ट्रवादी चेतना के उत्थान के सूत्र राजा राममोहन राय से लेकर गुरूदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर के लेखन और उनके कार्यों में स्पष्ट रूप में दिखाई देते हैं। जब राममोहन राय बंगाल में सक्रिय हो रहे थे तो उनका उद्देश्य हिंदू धर्म के यथार्थ और वास्तविक स्वरूप से बंगाल की जनता का परिचय करवाना था। हिंदू धर्म में व्याप्त कुरीतियों और कर्मकांडों के विरोध में उन्होंने बड़ा अभियान चलाया, उनको सफलता भी मिली। बंगाल में इस हिंदू नवजागरण का आरंभ करने वाले राममोहन राय को समाज सुधारक के तौर पर पेश कर उनकी इसी छवि को मजबूत किया गया। उनके कृतित्व का वो पक्ष सायास ओझल कर दिया जिसमें वो हिंदू धर्म को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे थे।

उनको हिंदू धर्म से इतना लगाव था कि वो धर्म के नाम पर हो रहे विचलन को दूर करने के लिए लगातार कोशिश कर रहे थे। अपनी लेखनी के माध्यम से हिंदू धर्म के सामने उपस्थित खतरों को लेकर जनता को सावधान कर रहे थे। उन्होंने न केवल वेद और उपनिषदों को आधार बनाकर विपुल लेखन किया बल्कि 1820 में उनकी एक पुस्तक प्रकाशित हुई 'हिंदू धर्म की रक्षा'। अपनी इस पुस्तक में राममोहन राय ने हिंदू धर्म को लेकर अपनी सोच और इसको मजबूती प्रदान करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की चर्चा की थी।राममोहन राय के अलावा अगर हम बंकिमचंद्र के लेखन को देखें तो उसमें भी हिंदू धर्म को लेकर एक चिंता दिखाई देती है। उनकी रचना वंदे मातरम और उपन्यास 'आनंदमठ' की तो खूब चर्चा होती है, इन रचनाओं में व्याप्त देशभक्ति की भावना को लेकर भी बहुत कुछ लिखा गया है। परंतु बंकिमचंद्र के उपन्यास 'सीताराम' की इतनी चर्चा नहीं होती है। बंकिम की इस रचना के बिना उनका समग्र मूल्यांकन संभव नहीं है।

इस उपन्यास में बंकिम ने मुस्लिम आक्रांताओं के बारे में विस्तार से लिखकर इस बात के संकेत दिए थे कि हिंदूओं को अपनी लड़ाई खुद लड़नी होगी। कहना ना होगा कि बाद के दिनों में बंकिम के इस उपन्यास पर इसलिए अधिक चर्चा नहीं की गई क्योंकि इसमें हिंदुओं पर आक्रांताओं के अत्याचार और फिर उसके प्रतिकार की कहानी है। अगर समग्रता में बंकिम के लेखन पर विचार हो तो उनको राष्ट्रीयता का ऋषि कहने में कोई संकोच नहीं होगा।

बंकिम की परंपरा में ही केशवचंद्र सेन जैसे हिंदू धर्म और दर्शन के विद्वान को भी रखना होगा। बंगाल की धरती पर कई ऐसे सपूत पैदा हुए या उस धरती को अपनी कर्मभूमि बनाया, जिन्होंने हिंदू धर्म और दर्शन की चिंता की जिनमें रमेशचंद्र दत्त, माइकल मधुसूदन दत्त, दीनबंधु मित्र, भूदेव मुखोपाध्याय से लेकर विवेकानंद और रवीन्द्रनाथ ठाकुर प्रमुख हैं। इस हिंदू नवजागरण की चर्चा तब तक पूर्ण नहीं होती जबतक कि हम 1867 में स्थापित 'हिंदू मेला' नामक संस्था की चर्चा नहीं करते। इसकी स्थापना गणेन्द्रनाथ ठाकुर ने की थी। इस संस्था का उद्देश्य अंग्रेजों के सांस्कृतिक उपनिवेशवाद का प्रतिकार तो था ही, भारतीयता को मजबूती के साथ स्थापित करना था। 'हिंदू मेला' ने ही भारत में स्वदेशी आंदोलन के लिए जमीन भी तैयार की थी।

आज पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव के समय एक बार फिर से वही हिंदू अस्मिता विमर्श के केंद्र में है। यह अनायास नहीं है कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन के निदेशक अनिर्वाण गांगुली पिछले कई महीनों से बंगाल के कोने कोने में जाकर स्थानीय स्तर के लेखकों, कलाकारों, शिक्षकों आदि के साथ संवाद कर रहे हैं। ममता बनर्जी के लिए भी कई सांस्कृतिक संस्थाओं के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। कई जगहों पर उन्होंने भाषा और कला को लेकर भी अपनी बात रखी।

दरअसल स्वतंत्रता के कई वर्षों बाद जब बंगाल में वामपंथियों का शासन आरंभ हुआ तो इस हिंदू नवजागरण की परंपरा थोड़ी धूमिल पड़ने लगी। सायास नवजागरण के दौर के लेखकों की उन रचनाओं को भुलाने की कोशिशें तेज हो गई जिनमें हिंदू अस्मिता की चर्चा थी या उन पुस्तकों को ओझल करने का खेल शुरू हुआ जिनमें हिंदू धर्म और उसपर होनेवाले प्रहारों का उल्लेख था या इस पृष्ठभूमि पर लिखा गया था। यह अनायास नहीं है कि जब ज्योति बसु बंगाल के मुख्यमंत्री थे तो 28 अप्रैल 1989 को पश्चिम बंगाल सरकार ने अपने पत्रांक एसवाईएल/89/1 के जरिए एक निर्देश जारी किया। इस पत्र में सभी माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया गया था कि 'मुस्लिम काल की कोई निंदा या आलोचना नहीं होनी चाहिए, मुस्लिम शासकों और आक्रमणकारियों द्वारा मंदिर तोड़े जाने का जिक्र कभी नहीं किया जाना चाहिए।' इसके साथ ही यह भी कहा गया था कि इतिहास की पुस्तकों से क्या क्या हटाया जाना है। स्पष्ट है कि वामपंथी शासन की मंशा क्या रही होगी। वामपंथियों ने पश्चिम बंगाल में चौंतीस साल तक शासन किया और उसके बाद से ममता बनर्जी वहां की मुख्यमंत्री हैं। क्या अब ये प्रश्न नहीं पूछा जाना चाहिए कि हिंदू नवजागरण के नायकों की स्मृति को मिटाने या उनको विस्मृत करने या उसको नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सार्थक कार्य क्यों नहीं किया गया?

आहत कवि का फेसबुक पर आगमन- अब कविता कहकर चमक नहीं आती, फेस चमकाने के लिए फेसबुक पर चमकना जरूरी

आज बड़े दिनों बाद चांदपुर के परिचित कवि अलगू आतिश उर्फ चिंगारी जी दिख गए। कंधे उनके वैक्सीन लगवाने से नहीं, बल्कि कविता के बिंबों के बोझ से दबे हुए थे। चाल में पहले वाली वो छंदबद्ध नजाकत न थी। चेहरे पर हमेशा मौजूद रहने वाला वो रीतिकालीन नूर पसीने-पसीने होकर वीरगाथा काल में परिवर्तित हो रहा था। दूर से देखने पर मालूम पड़ता था कि वह किसी काव्य पाठ से पैदल ही चले आ रहे हैं। आते ही 'जै राम जी' की हुआ। चिंगारी जी बड़े ही नाखुश मिजाज में बोले, 'जानते हो कल रात क्या हुआ?

'जी, क्या हुआ?' कल रात कवि सम्मेलन के आयोजकों ने पेट्रोल का पैसा तक न दिया। अब तुम बताओ, क्या इस देश का एक युवा कवि खून जलाकर मंचों पर काव्य पाठ करने जाएगा? किसी कवि को लाखों दिए जा रहे हैं। पांच सितारा होटल में लक्जरी सुइट दी जा रही है। उसी मंच पर एक दूसरे कवि की दहेज में मिली बाइक में तेल भरवाने के पैसे नहीं हैं इनके पास? यही लोग बात करते हैं, सामाजिक न्याय और समानता की? ऐसे लोग जिनकी प्रवृत्ति ही बेईमान है?

मैं चिंगारी जी के आक्रोश पर चकित था। मुझे किसी कवि सम्मलेन का इल्म नहीं था। इधर चिंगारी जी बोले ही जा रहे थे। 'तुम बताओ, क्या मेरी कविता की धार किसी साहित्य भूषण की कविता से कम पतली है? क्या नहीं लिखा है मैंने। क्या उनकी तरह मैंने हुस्न, तिजारत, अदा और इश्क पर सस्ती कविताएं की हैं? तुम तो सुने हो न, कैसे टाउन हॉल की कविता में एक साहित्य भूषण को पानी-पानी कर दिया था!' इतना सुनते ही मैं हिंदी की क्लास में बैठे किसी लास्टबेंचर जैसा सर खुजाने लगा। फिर भी सांत्वना देने के लिए कह दिया। 'बात तो आपकी सही है। पेट्रोल का पैसा तो देना ही चाहिए था, कविता पेट्रोल से भले न लिखी जाती हो, पर कवि सम्मेलन तक कविता को पहुंचाने के लिए पेट्रोल जरूरी है।'

चिंगारी जी को मेरी ये सांत्वना रास न आई। इस बार उन्होंने बड़े ही तल्ख अंदाज में कहा। 'जानते हो हम जैसे कवियो की छंदबद्ध कविताओं को हिंदी की मुख्यधारा के खाए पिए अघाए कवि-आलोचक कविता नहीं मानते हैं। दूसरे ये बेईमान आयोजक। किसी को काजू, नमकीन और स्कॉच पीने के पैसे और किसी गरीब कवि को पेट्रोल के पैसे भी नहीं?

चिंगारी जी के गुस्से को देखकर आस-पास के दो-चार और साहित्य प्रेमी लोग इकठ्ठा हो गए। सबने उनके दुख से सहानुभूति प्रकट की, लेकिन किसानों की समस्या की तरह किसी के पास इस पेट्रोल वाली समस्या का समाधान नजर नहीं आया। देखते ही देखते चिंगारी जी अपनी कविता की फसल के कौड़ी के मोल बिक जाने से आहत हो गए। आहत होना स्वाभाविक था। जिस समय में एक कवि की कविता पेट्रोल से ज्यादा सस्ती हो जाए, उस समय पर आहत न हुआ जाए तो क्या किया जाए। अचानक मोहल्ले में हिंदी के राष्ट्रीय आलोचक जगतनारायण 'जख्मी' जी ने मोर्चा संभाल लिया।

'देखो चिंगारी, गुस्सा थूक दो। अब वो जमाना गया जब कवि बस कविता कहकर चमक जाता था। आजकल कविता से पहले अपना फेस चमकाना पड़ता है। और फेस अब क्रीम-पाउडर से नहीं चमकता। फेस चमकाने के लिए फेसबुक पर चमकना जरूरी है। तुम ठहरे आकाशवाणी के कवि। आज का कवि इंस्टाग्राम पर लाइव कविता पढ़ता है, ट्विटर पर अपनी कविता को किसी ब्लू टिक धारी हैंडल से रीट्वीट करवाता है..तब जाकर मजमा जमा पाता है।' जख्मी जी के पास ही बैठे एक वरिष्ठ युवा प्रेमी प्रेम कुमार 'घायल' ने उनसे सहमति जताई।

'मैं तो न जाने कबसे कह रहा हूं?..कहीं से कुछ लाइक्स का जुगाड़ कर लीजिए। फिर देखिए पेट्रोल की झंझट ही न रहेगी। हवाई जहाज से काव्य पाठ करने नहीं गए तो कहना।' चिंगारी जी भड़के, 'जख्मी जी आप अपनी आलोचना को जेब में रखें..। कवि अपने समय का विद्रोही होता है। पेट्रोल का पैसा न मिला तो क्या हुआ मेरी कविता की आग कभी न कम हुई, न होगी।' इतना कहकर चिंगारी जी उठे और घर चले गए। अगली सुबह मुझे फेसबुक नोटिफिकेशन दिखा। अलगू आतिश चिंगारी सेंट् यू फ्रेंड रिक्वेस्ट।

ब्रह्मपुत्र पर बांध

बीते गुरुवार को चीन की संसद ने वहां की 14वीं पंचवर्षीय योजना के एक हिस्से के रूप में उस हाइड्रोपावर प्रॉजेक्ट को मंजूरी दे दी, जिसे लेकर भारत काफी पहले से चिंता जताता रहा है। इस परियोजना के तहत पूर्वी तिब्बत में अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास यारलुंग त्सांगपो नदी पर एक बहुत बड़ा बांध बनाया जाना है। यह नदी एक तीखी ढलान से उतरकर भारत में आती है। यहां कुछ अन्य नदियों से मिलकर ब्रह्मपुत्र बन जाती है और अरुणाचल प्रदेश तथा असम से गुजरते हुए पूरा बांग्लादेश पार करके समुद्र में जा मिलती है। इसी नदी के ऊपरी हिस्से में प्रस्तावित बिजली परियोजना को लेकर आशंकाएं कई स्तरों पर मौजूद हैं।

पहली बात तो यह कि भूकंप की दृष्टि से यह क्षेत्र काफी संवेदनशील माना जाता है। अतीत में कई भीषण भूकंप निचले क्षेत्रों में जन-धन की अपार क्षति का कारण बने हैं। ऊंचाई पर बना जलाशय आगे ऐसे किसी नुकसान का दायरा बहुत बढ़ा देगा। दूसरी बात यह कि भारत और बांग्लादेश, दोनों देशों की काफी बड़ी आबादी का समूचा जीवन ब्रह्मपुत्र के पानी पर टिका है। अगर चीन ने इस हाइड्रोपावर प्रॉजेक्ट से नहरें निकाल कर इसका कुछ पानी अपनी तरफ मोड़ लिया तो इसका खामियाजा दोनों देशों के इन नागरिकों को भुगतना पड़ेगा।

इसका तीसरा अहम पहलू जैव विविधता से जुड़ा है। इस क्षेत्र में जंतुओं और वनस्पतियों की कुछ ऐसी दुर्लभ किस्में मौजूद हैं जिनका बने रहना पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है। चीन का यह कहना सही हो सकता है कि अपने सीमा क्षेत्र में कोई भी परियोजना खड़ी करने का उसे पूरा अधिकार है। लेकिन यहां सवाल उसके अधिकार का नहीं, परियोजना से होने वाले नुकसानों का है, जो दूसरे देशों के हिस्से आने वाले हैं। दुनिया में ऐसी परियोजनाएं कम ही दिखती हैं जिनके सारे फायदे एक देश के खाते में जा रहे हों और सारे नुकसान दूसरे देशों के हिस्से आ रहे हों।

सामान्य स्थिति में इन मुद्दों पर चीन सरकार से बातचीत करने की सलाह दी जा सकती थी, मगर पिछले साल भारत-चीन सीमा पर हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के रिश्तों में आए तनाव को देखते हुए यह उतना सहज नहीं रह गया है। बावजूद इसके, बातचीत का कोई विकल्प नहीं है। चीन कहता भी रहा है कि वह इस परियोजना से जुड़ी भारत और बांग्लादेश की चिंताओं का ध्यान रखते हुए ही आगे बढ़ेगा।

भारत और चीन के बीच ऐसा एक मैकेनिज्म पहले से बना हुआ है। दोनों देशों ने 2006 में सीमा के आर-पार जाने वाली नदियों से जुड़े मुद्दों को लेकर एक एक्सपर्ट लेवल मैकेनिज्म (ईएलएम) गठित किया था। इसमें बांग्लादेश को भी शामिल करके विवादित मुद्दों पर त्रिपक्षीय सहमति बनाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकती है। इस क्रम में अगर तीनों देश किसी जल-संधि तक पहुंचते हैं तो इससे आपसी रिश्तों में एक नया आयाम जुड़ेगा।

रसातल की ओर जाती कांग्रेस: 23 नेताओं के सवालों से बचने की कोशिश में पार्टी में बढ़ रहा कलह

> इस समय बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। कांग्रेस इनमें से कहीं पर भी सत्ता में नहीं है। उसने बंगाल में चुनाव जीतने के लिए कट्टरपंथी मौलाना अब्बास सिद्दीकी से गठबंधन किया है तो असम में बदरुद्दीन अजमल से। यह घोर विडंबना है कांग्रेस सरीखा राष्ट्रीय दल सांप्रदायिक तत्वों के साथ खड़ा हो रहा है। राहुल गांधी के तेवरों से ऐसा लगता है कि वह हर चुनौती का सामना कर लेंगे, लेकिन उनकी समस्त राजनीति मोदी को नीचा दिखाने पर केंद्रित है। उनकी राजनीति में गंभीर विमर्श के बजाय नफरत और आक्रोश ही दिखता है।

कांग्रेस के कुछ दिग्गज नेताओं की ओर से नेतृत्व की अक्षमताओं को लेकर सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखे हुए छह माह से अधिक हो गया है, लेकिन अभी तक इस चिट्ठी में उठाए गए सवालों का समाधान होने की सूरत नहीं दिख रही है। कांग्रेस नेतृत्व यानी गांधी परिवार 23 नेताओं के समूह की चिट्ठी में उठाए गए सवालों से बचने की जितनी कोशिश कर रहा है, पार्टी में कलह उतनी ही तेज हो रही है। पिछले दिनों इस समूह के प्रमुख नेताओं ने जम्मू में गुलाम नबी आजाद के नेतृत्व में एकत्र होकर कांग्रेस के कमजोर होते जाने की बात फिर कही। इसके पहले आनंद शर्मा और कपिल सिब्बल ने राहुल गांधी को यह नसीहत भी दी कि मतदाताओं की समझदारी पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। यह नसीहत इसलिए दी गई, क्योंकि केरल में राहुल ने कहा था कि उत्तर भारत के लोग सतही मुद्दों पर राजनीति करते हैं। इसके बाद गुलाम नबी आजाद ने प्रधानमंत्री मोदी की इसके लिए तारीफ की कि वह अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। यह कथन कांग्रेस को रास नहीं आया।

इन 23 नेताओं के अलावा भी कांग्रेस में कई ऐसे नेता हैं, जो यह महसूस कर रहे हैं कि पार्टी नेतृत्व यथास्थिति का शिकार है। निस्संदेह कोई भी नेता खुले तौर पर सोनिया अथवा राहुल का विरोध नहीं कर रहा है, लेकिन वे अंतरिम अध्यक्ष की व्यवस्था से खुश भी नहीं। वे राहुल के तौर-तरीकों को भी नापसंद कर रहे हैं, जबकि एक समय यही सब उन्हें भविष्य का नेता मानते थे। अब वे उनकी कार्यशैली से निराश हैं।

2019 के चुनाव में राहुल ने राफेल सौदे को तूल दिया। वह राफेल विमानों की खरीद में भ्रष्टाचार के आरोप के साथ चौकीदार चोर है का नारा भी उछालते रहे। उन्हें मुंह की खानी पड़ी। वह खुद अमेठी से हारे और कांग्रेस फिर से इतनी सीटें नहीं जीत सकी कि लोकसभा में विपक्ष का दर्जा हासिल कर सके। कांग्रेस को बालाकोट एयर स्ट्राइक पर बेजा सवाल उठाने के भी दुष्परिणाम भोगने पड़े। इधर राहुल हम दो हमारे दो का जुमला उछालकर यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह केवल मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी के लिए काम कर रहे हैं। उनकी जुमलेबाजी खुद उन पर भारी पड़ रही है, लेकिन वह सबक सीखने के बजाय नए-नए जुमले गढ़ रहे हैं। चूंकि वह लगभग हर दिन मोदी सरकार के खिलाफ तंज भरे ट्वीट करते हैं, इसलिए यह कहा जाने लगा है कि उनकी राजनीति ट्विटर तक सीमित हो गई है। समस्या केवल यह नहीं कि वह किसी ट्रोल की तरह व्यवहार कर रहे, बल्कि यह भी है कि उनका विमर्श सतही और खोखला होता जा रहा है। वास्तव में सतही विमर्श से पूरी पार्टी ग्रस्त हो गई है।

संसद में भी कांग्रेसी नेता किसी सार्थक चर्चा में हिस्सा लेने के बजाय जुमलेबाजी ही अधिक करते हैं। कृषि कानूनों के विरोध में खड़े राहुल तब मौन रहे, जब इन कानूनों पर संसद में चर्चा हो रही थी, लेकिन बजट पर चर्चा के दौरान उन्होंने इन कानूनों के खिलाफ हम दो हमारे दो का जुमला उछाला। जैसे कृषि कानून बनाने का वादा कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में किया था, वैसे ही कानून बन जाने पर वह उनके खिलाफ खड़ी होकर किसानों को बरगला रही है। इससे कुल मिलाकर किसान और कृषि का ही अहित हो रहा है।

राहुल किस कदर घोर मोदी विरोध से ग्रस्त हैं, इसका पता उनकी ओर से मोदी को भयंकर शत्रु करार देने से चलता है। राजनीति में ऐसी भाषा के लिए कोई जगह नहीं, लेकिन राहुल इसी तरह की शब्दावली के आदी बनते जा रहे हैं। मोदी सरकार पर उनका ताजा आरोप है कि उसकी मदद से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सभी संस्थाओं पर कब्जा करता जा रहा है। यह आरोप उन्होंने तब लगाया, जब वह आपातकाल को एक भूल बता रहे थे। उन्होंने यह सफाई दी कि आपातकाल में लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का काम नहीं किया गया था। यह हास्यास्पद है, क्योंकि उस दौरान सर्वोच्च न्यायालय तक को दबाव में ले लिया गया था।

लगता है गांधी परिवार ने यह ठान लिया है कि वह कांग्रेस को निजी जागीर की तरह ही चलाएंगे। कुछ चाटुकार नेता यह माहौल भी बनाने में जुटे हैं कि गांधी परिवार ही कांग्रेस को सही नेतृत्व दे सकता है। इन नेताओं की समझ से गांधी परिवार को धुरी बनाकर कांग्रेस को एकजुट रखा जा सकता है, लेकिन वे यह नहीं देख पा रहे कि पार्टी रसातल में जा रही है। कांग्रेस की कमजोरी का ताजा प्रमाण गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में उसका लगभग सफाया हो जाना है। वहां आम आदमी पार्टी कांग्रेस का स्थान लेती दिखी।

विद्रोह की मुद्रा में खड़े कांग्रेस के शीर्षक्रम के नेता इससे भली-भांति परिचित हैं कि असंतोष के चलते जो भी लोग पार्टी से अलग हुए वे या तो क्षेत्रीय नेता के तौर पर अपनी राजनीतिक पहचान बना सके या फिर कांग्रेस से किसी न किसी रूप में जुड़ने को विवश हुए। ममता बनर्जी और शरद पवार इसके उदाहरण हैं। ऐसे नेता राष्ट्रीय राजनीति में कुछ खास नहीं कर पाए। शायद यही कारण है कि जी-23 समूह के नेता गांधी परिवार को परोक्ष रूप से तो आड़े हाथ ले रहे हैं, लेकिन पार्टी से अलग होकर अपना दल बनाने के संकेत नहीं दे रहे हैं। गांधी परिवार और उसकी चाटुकारिता कर रहे नेता इससे परिचित हैं और इसीलिए वे असंतुष्ट नेताओं के खिलाफ तीखी टिप्पणियां करने से बच रहे हैं। आगे जो भी हो, यह साफ है कि कांग्रेस लगातार हाशिये पर जा रही है। इस समय बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। कांग्रेस इनमें से कहीं पर भी सत्ता में नहीं है। उसने बंगाल में चुनाव जीतने के लिए कट्टरपंथी मौलाना अब्बास सिद्दीकी से गठबंधन किया है तो असम में बदरुद्दीन अजमल से। यह घोर विडंबना है कांग्रेस सरीखा राष्ट्रीय दल सांप्रदायिक तत्वों के साथ खड़ा हो रहा है। राहुल गांधी के तेवरों से ऐसा लगता है कि वह हर चुनौती का सामना कर लेंगे, लेकिन उनकी समस्त राजनीति मोदी को नीचा दिखाने पर केंद्रित है। उनकी राजनीति में गंभीर विमर्श के बजाय नफरत और आक्रोश ही दिखता है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा, डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद, राजद नेता तेजस्वी यादव और अन्य के साथ पटना में बजट सत्र के दौरान सर्वदलीय बैठक में

कांशीराम की जयंती पर बसपा मुखिया मायावती बोलीं- अच्छा नहीं रहा गठबंधन का अनुभव, अकेले लड़ेंगे 2022 का विधानसभा चुनाव

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने सोमवार को बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम की 87वीं जयंती पर उनको नमन किया। बसपा के प्रदेश मुख्यालय में इस अवसर पर उन्होंने मीडिया को भी संबोधित किया।

कांशीराम की जयंती पर मायावती ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि हमारी पार्टी बाबा साहेब डॉ. भीमराम अम्बेडकर तथा मान्यवर कांशीराम के दिखाए रास्ते पर चल रही है। हमारी पार्टी के संस्थापक मान्यवर कांशीराम ने बाबा साहेब का रुके कारवां को आगे बढ़ाया। कांशीराम जी ने काफी ऐतिहासिक काम किया। इस अवसर पर पार्टी मान्यवर कांशीराम जी को श्रद्धा अर्पित करती है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के कारवां को आगे बढ़ाने में कांशीराम जी की काफी बड़ी भूमिका थी। वह

बाबा साहेब के रुके कारवां को लेकर आगे बढ़े। वह सदैव दलित, वंचित, उपेक्षित वर्गों को लेकर चले। उनकी मृत्यु के बाद सिर्फ बसपा ही उनके काम को आगे बढ़ाने में लगी है। बसपा ही गरीब व वंचितों की सेवा में लगी है। केवल बसपा ने अपने काम को लगातार आगे बढ़ाने के लिए समाज को अपना सब कुछ दिया है। जिससे कि दलितों, शोषितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों, मुस्लिमों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों का सम्मान हो सके। मायावती ने कहा कि बसपा उनको मजबूत करने में लगी है। पार्टी का हर कार्यकर्ता इस काम में बड़ी तथा कड़ी मेहनत कर रहा है।

बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने इस अवसर पर लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव में गठबंधन के अनुभव को बेहद खराब बताया। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का किसी के साथ भी गठबंधन का अनुभव अच्छा नहीं रहा। हमारी पार्टी के नेता तथा कार्यकर्ता और हमारा वोटर बेहद अनुशासित है।

देश की अन्य पार्टियों के साथ ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी के साथ भी गठबंधन में हमारा वोट तो ट्रांसफर हो जाता है, जबकि दूसरी पार्टी का वोट हमको नहीं मिल पाता है। यह बेहद ही खराब तथा कड़वा अनुभव है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी हम किसी भी दल के साथ कोई गठबंधन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी हमारी पार्टी अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी। पश्चिम बंगाल के साथ ही केरल व तमिलनाडु में हमारी पार्टी का प्रदर्शन भी अच्छा रहेगा।

संक्षिप्त खबर

प्रतापगढ़ में जहरीली शराब से महिला समेत चार की मौत, गांव में दहशत, पुलिस जांच में जुटी

प्रयागराज । यूपी के प्रतापगढ़ जिले में संग्रामगढ़ थाना अंतर्गत रामपुर दाबी मजरे मनोहरा पुर गांव में जहरीली शराब से कुछ घंटों के भीतर महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। महिला ने स्थानीय अस्पताल में दम तोड़ा जबकि दो युवकों की मौत लखनऊ में हुई। सभी लोगों ने शनिवार रात अवैध रूप से बिकने वाली शराब पी थी। रविवार सुबह से ही उनकी हालत बिगड़ने लगी। सोमवार को एक व्यक्ति की और इलाज के दौरान मौत हो गई। इस तरह से मरने वालों की कुल संख्या चार पहुंच गई है। जबकि सात लोगों की हालत खराब है। एक की हालत गंभीर देखते हुए प्रयागराज में एसआरएन के लिए रेफर कर दिया गया है।

अस्पताल में महिला ने दम तोड़ा–सुनीता (50) पत्नी जवाहरलाल सरोज के अलावा विजय कुमार (40) पुत्र रामसुमेर सरोज तथा रामप्रसाद (42) पुत्र रामदेव सरोज को पहले एक स्थानीय चिकित्सक को दिखाया गया। हालत नहीं सुधारने पर सुनीता को रात करीब नौ बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। उधर स्थानीय चिकित्सक के कहने पर दोनों युवकों को लखनऊ स्थित अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचते ही रात्रि लगभग 12 बजे विजय कुमार ने दम तोड़ दिया। कुछ देर में राम प्रसाद की भी मौत हो गई। पूर्व ग्राम प्रधान नन्हे लाल यादव ने मौतों की पुष्टि करते हुए बताया है कि जहरीली शराब इसकी वजह है।

पुलिस मामले की जांच में जुटी– थाना अध्यक्ष संग्रामगढ़ आशुतोष त्रिपाठी ने भी मौतों की पुष्टि करते हुए इसकी सूचना उच्चाधिकारियों को दे दी है। महिला और युवकों ने कहां से शराब ली, यह पता नहीं चल सका है। पुलिस गांव में है। थाना प्रभारी का कहना है कि मौतों की वजह का पता पोस्टमार्टम में ही चल पाएगा। थानाध्यक्ष के अनुसार गांव में लोग जहरीली शराब पीने से ही मौत होने की बात कह रहे हैं।

मुकदमे लगाए और मुकदमे हटाए, लखनऊ में फिर लगे समाजवादी पार्टी के विवादित बैनर्स

लखनऊ । राजधानी लखनऊ में एक बार फिर से समाजवादी पार्टी की ओर से सरकारी विरोधी बैनर लगाए गए हैं। ये बैनर 1090 चौराहे और आसपास के इलाकों में लगाई गई थी। जिसमें एक ओर अखिलेश यादव की फोटो लगाई गई है और दूसरी ओर सीएम योगी आदित्यनाथ की फोटो लगी है। इसमें लिखा है मुकदमे लगाए और मुकदमे हटाए। हालांकि पुलिस ने रात भर में इन बैनर्स को पुलिस ने चुन चुनकर हटा दिया।

बैनर्स में लिखे हुए स्लोगन अखिलेश यादव पर हुए हालिया एफआइआर की ओर इशारा कर रहे हैं। बता दें कि मुरादाबाद में हुए तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में सपा मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 11 मार्च को शामिल हुए थे। इससे पूर्व दिल्ली रोड स्थित पांच सितारा होटल में प्रेस कांफ्रेंस खत्म होने के बाद होटल की लाबी में विवाद हुआ। इसके बाद मारपीट एवं धक्कामुक्की में एक चैनल के प्रतिनिधि घायल भी हुए थे। जिसके बाद कुछ पत्रकारों ने अखिलेश यादव समेत 21 लोगों पर मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया था।

सरकार पर साधा निशाना – लगाए गए बैनर में पत्रकारों द्वारा दर्ज कराई गई एफआइआर को सरकार की ओर ईशारा कर रहे हैं। पोस्टर में एक तरफ पूर्व सीएम अखिलेश यादव व दूसरी ओर सीएम योगी आदित्यनाथ की फोटो लगी है। जिसमें एक ओर मुकदमे लगाए व दूसरी ओर मुकदमे हटाए लिखा गया है। वहीं पुलिस ने रात भर में इन बैनर्स को हटा दिया। 10 मार्च की देर रात राजधानी के पॉश इलाके लोहिया पथ पर सरकार विरोधी में विवादित बैनर लगा दिए गए और पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। बैनर में लिखा है कि याद है ना जो करे झूठा प्रचार, उखाड़ फेंको ऐसी सरकार। बता दें कि आइपी सिंह ने ट्वीट कर खुद जगह जगह ऐसे बैनर लगाए जाने की सूचना दी थी। कुछ ही देर में यह इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया।

उत्तर प्रदेश में बैंक कर्मचारियों ने निजीकरण के विरोध में किया जमकर प्रदर्शन, काम ठप

लखनऊ । राष्ट्रीयकृत बैंकों के निजीकरण के विरोध में विभिन्न बैंक संगठन आज देशव्यापी हड़ताल पर हैं। दो दिनी हड़ताल के क्रम में प्रदेश भर के सभी बैंक कर्मी हड़ताल पर हैं। प्रदेश भर के बैंक मुख?यालयों पर सुबह 11 बजे से कर्मचारियों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है। प्रदेश के हर जनपद के सभी मुख्यालयों पर बैंक कर्मचारी प्रदर्शन ने हाथों पर बैनर व पोस्टर लेकर विरोध जताया। वहीं बैंक पर काम से आए लोगों को बैरंग लौटना पड़ा। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के बैनर तले बैंक कर्मचारी प्रदर्शन किया।

हड़ताल के कारण ठप रहेंगी बैंकिंग सुविधाएं- बैंक की हड़ताल की सूचना काफी दिन से दी जा रही थी, लेकिन इसके बावजूद भी कई ग्राहक जानकारी के आभाव में बैंक पहुंचे। बैंक के गेट पर ताला जड़ा देखकर उन्हें बैरंग लौटना पड़ा। बैंकिंग सेवा ठप रही जिसकी वजह से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। राजधानी लखनऊ में एसबीआइ के मुख्यालय पर कर्मचारियों ने निजीकरण के विरोध में जमकर नारेबाजी की। राष्ट्रीयकृत बैंकों में देशव्यापी हड़ताल के कारण एटीएम सेवा को छोड़कर अन्य सभी जैसे नगद निकासी, नगद जमा, लॉकर, डिमांड ड्राफ्ट, लोन संबंधी ग्राहक सेवाएं पूरी तरह प्रभावित रहेंगी।

इसके चलते बैंक ग्राहकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। भारतीय स्टेट बैंक स्टाफ एसोसिएशन के महामंत्री के के सिंह और बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर एसोसिएशन के संरक्षक दिलीप चौहान ने बताया कि राष्ट्रीय कृत बैंकों के कर्मचारी हर स्तर पर सरकार की अपेक्षाओं पर खरे उतरे हैं इसके बावजूद भी सरकार द्वारा राष्ट्रीय कृत बैंकों का निजीकरण किया जा रहा है। निजी करण किसी भी दृष्टिकोण से न तो बैंक कर्मचारियों के हित में है और न ही आम जनमानस के। ऐसे में सरकार को बैंकों के निजीकरण किए जाने के फैसले को तत्काल वापस लेना होगा।

राजनाथ सिंह ने किया शुभारंभ, बोले- चरितार्थ हो गया नारा, चप्पा-चप्पा भाजपा का

लखनऊ । देश के रक्षा मंत्री तथा लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश की कार्यसमिति की बैठक का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह तथा अन्य पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे।

राजनाथ सिंह ने इस अवसर पर कहा कि भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने के कारण मुझे बेहद खुशी हो रही है। मैं इसके लिए भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह का बेहद आभारी हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए जमीन से शुरुआत की और आज भाजपा इंटरनेशनल लेवल पर छा गई है। भाजपा की विचारधारा है कि व्यक्ति को सहज तथा सरल होना चाहिए।

जिससे कि हर काम सुगमता से करने में आसानी होती है। उन्होंने कहा कि पार्टी के एक साधारण से कार्यकर्ता रहे स्वतंत्र देव सिंह आज भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष हैं। उन्होंने लगातार मेहनत की और

पार्टी ने उनको प्रदेश का शीर्ष पद दिया। ऐसा सिर्फ भाजपा में ही संभव है। यहां पर सतत मेहनत करने वाले को लगातार इनाम मिलता है। जाति-पंथ की राजनीति नहीं करते इंसाफ़ और इंसानियत की राजनीति करते हैं।

विश्वास का संकट कभी नहीं पैदा होना चाहिए– लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विशिष्ट राजनीतिक विचारधारा है। हमारा एक राजनीतिक दर्शन है। हर राजनीतिक विचारधारा वाले दल का विभाजन कभी न कभी हुआ है, मगर भाजपा का आज तक कभी विभाजन नहीं हुआ है। एक समय हम सब नारा लगाते थे चप्पा-चप्पा भाजपा और आज यह नारा चरितार्थ हो गया। लोग कहते हैं कि मैं इतने समय से पार्टी से जुड़ा हूं मेरे साथ न्याय नहीं हो रहा, ऐसा कैसा हो सकता है कि भाजपा कार्यकर्ता यह कहे, यह पार्टी एक संगठन है यहां देर हो सकती है लेकिन अन्याय नहीं हो सकता, यहां पद भले ही न हासिल हो लेकिन प्रतिष्ठा जरूर हासिल होगी। लोग कहते हैं कि कुछ डिस्टेंस बना कर रखिए, लेकिन सुखद अनुभूति डिस्टेंस बनाकर नहीं गले लगाकर होती है। कार्य समिति की बैठक में शामिल होकर सुखद अनुभूति हो रही है, गरीब परिवार में पैदा हुआ व्यक्ति आज उत्तर प्रदेश अध्यक्ष के पद पर है तो यह सिर्फ भारतीय जनता पार्टी में ही हो सकता है।

इससे पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि मोदी सरकार जिन वादों और संकल्पों के साथ सत्ता में आई थी उन सभी वादों को अपने मजबूत इरादों के साथ पूरा कर रही है। देश के विकास और सुशासन के मार्ग पर प्रशस्त है। आम आदमी के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी को चलाने के लिए कार्यकर्ता और कार्यालय निर्माण की जरूरत होती है, सत्ता हमारा लक्ष्य नहीं है सत्ता गरीबों मजलूमों की सेवा के लिए है। आजादी के बाद देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की विश्व की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित कर पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता प्रतिपादित की है। इतना ही नहीं सूखाग्रस्त बुंदेलखंड में प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से हर घर पानी पहुंचाने का सपना साकार हो रहा है। स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी ने कहा था कि अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। आज कमल खिल चुका है। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट के बाद कार्यसमिति की यह पहली बैठक है। हमको विश्वास है कि सभी कार्यकर्ता जनमानस में प्रबल विश्वास जगाएंगे और पार्टी के काम को विस्तार देंगे।

चुनावी लक्ष्य भेदने के सूत्र तलाशेगी उत्तर प्रदेश की टीम- योगी आदित्यनाथ सरकार और संगठन के तालमेल से पार्टी के चुनावी लक्ष्य संधान के लिए भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक होगी। पंचायत चुनाव की आहट और बमुश्किल साल भर के फासले पर खड़े विधानसभा चुनाव में कामयाबी के सूत्र तलाशने के मकसद से आयोजित की जा रही इस बैठक में संगठन के कामकाज की समीक्षा भी होगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की अध्यक्षता में पहली बार होने जा रही प्रदेश कार्यसमिति की बैठक उस समय हो रही है जब कोरोना वायरस संक्रमण की विषम परिस्थितियों से जूझते हुए योगी आदित्यनाथ सरकार अपने कार्यकाल के चार वर्ष भी पूरे करने जा रही है।

पंचायत चुनाव की गहमागहमी के बीच होने जा रही इस बैठक में भाजपा त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के जरिये ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी जड़ें मजबूत करने के हर पहलू पर विचार करेगी। पंचायत चुनाव की सरगर्मी के बीच मिशन-2022 पर फोकस करते हुए सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच प्रभावी तरीके से ले जाने पर भी इस बैठक में मंथन होगा। कार्यसमिति सरकार की चार वर्ष की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जाने के कार्यक्रम को भी अंतिम रूप देगी। बैठक में जिला व क्षेत्रीय स्तरों पर संगठन की समीक्षा के साथ पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को भी अंतिम रूप दिया जाएगा।

विक्रमशिला सेतु पर दो ट्रकों में आमने-सामने टक्कर, घंटों बाधित रहा यातायात

भागलपुर । पिछले दो दिनों से विक्रमशिला सेतु पर लगने वाले जाम का सिलसिला रविवार को भी जारी रहा। सुबह पांच बजे नवगछिया की ओर पिलर संख्या 90-91 के बीच दो ट्रकों में आमने-सामने टक्कर हो गई। हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। लेकिन दुर्घटना के कारण सेतु पर यातायात बाधित हो गया।

नतीजा, नवगछिया एनएच-31 से जगदीशपुर और सबौर तक गाडियों की लंबी कतारें लग गईं। इसका असर शहर के जीरोमाइल से तिलकामांझी के बीच जेल रोड पर पड़ा। इस सड़क पर भी जाम लग गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन मंगवाकर सुबह नौ बजे सेतु से हटाया गया। इसके बाद वन-वे करने पर गाडियां आगे बढने लगी। लेकिन आगे निकलने की होड़ में छोटी गाडियों के ओवरटेक करने से फिर यातायात बाधित हो गई। ओवरटेक करने वाली सभी गाडियों को एक-एक कर लाइन में लगाने पर 40 मिनट बाद वन-वे कर वाहनों का परिचालन शुरू कराया गया। यह सिलसिला दोपहर साढ़े तीन बजे तक चलता रहा। शाम चार बजे के बाद सेतु पर वाहनों का परिचालन सामान्य हुआ। इस दौरान सैकड़ों वाहन जाम में फंसे रहे। एंबुलेंस भी सेतु पर जाम में फंसी रही। जाम में फंसे लोगों को गर्मी में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बता दें कि दो वाहनों के खराब होने से शनिवार को घंटों सेतु पर जाम लगा रहा। जाम में फंसने के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। गंगा ब्रिज ओपी प्रभारी विशेष कुमार ने कहा कि नवगछिया की ओर दो ट्रकों के टक्कर होने के कारण सेतु पर यातायात बाधित हुआ। वनवे कर वाहनों का परिचालन कराया गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बिहार के किशनगंज में सिलेंडर विस्फोट, धमाके के साथ परिवार के पांच सदस्यों की जिंदा जलकर मौत

किशनगंज । किशनगंज में सोमवार की सुबह एक परिवार के लिए सदमे भरा है। मोहिउद्दीनपुर सलाम कॉलोनी के एक घर में सिलेंडर ब्लास्ट होने से चार बच्चे समेत पांच की मौत हो गई। मृतकों में पिता और उसके चार बच्चे शामिल हैं। जबकि युवक की पत्नी गंभीर रूप से झुलस गई है। जानकारी के अनुसार, जिले के मोहिउद्दीनपुर सलाम कॉलोनी में सिलेंडर ब्लास्ट होने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। घटना सोमवार सुबह घटी। घटना के बाद मौके पर पहुंची टाउन थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड ने किसी तरह आग पर काबू पाया। आग को फैलने से रोका।

मृतकों में चार बच्चे भी शामिल– इस घटना में नूर आलम और उसकी बेटी 10 वर्षीय तोहफा प्रवीण, आठ वर्षीय शबनम प्रवीण, छह वर्षीय बेटा रहमत रजा और तीन वर्षीय बेटा मो. शाहिद की मौत हो गई। पुलिस ने पांचों के के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है। इस घटना में मृतक नूर आलम की पत्नी सहजादी बानो गंभीर रूप से घायल है। उसका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद वहां काफी संख्या में लोग जमा हो गए हैं। परिवार के स्वजनों और ग्रामीणों में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। सभी शोक में हैं।

घर में मचा कोहराम– सिलेंडर विस्फोट के बाद आग भयानक रूप से चारों ओर फैल गया। जोरदार विस्फोट से सभी दहल गए। यह चार बच्चों समेत एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत से सभी दहल गए हैं। हर कोई सकते में आ गया है।

चूल्हे से पकड़ा था सिलेंडर में आग– रविवार रात को शहजादी बानो ने लकड़ी वाले चूल्हे पर खाना बनाई थी। खाना खाकर सभी लोग सो गए। इसके बाद सोमवार की सुबह चार बजे के आसपास सिलिंडर फटा। घायल शहजादी बानो ने बताया कि शायद चूल्हे का आग पूरी तरह बुझ नहीं पाया था। जिस कारण धीरे-धीरे आग धधकते हुए चूल्हे से घर में पकड़ लिया। सिलिंडर चूल्हे के बगल में रखा था। फूस के घर में आग पकड़ने के साथ-साथ सिलिंडर में भी आग पकड़ लिया। सिलेंडर विस्फोट होते ही गहरी नींद से जागते ही वह खुद को आग से घिरी देखे। वह छोटे बेटे को लेकर भागने लगी। लेकिन तीन वर्षीया बेटा वापस घर की ओर चला गया। धधकती आग ने उसे लपेटे में लिया। किसी तरह भागकर वह अपनी जाच बचा सकी। पति और बच्चों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला।

पेशे से बिजली मिस्त्री था नूर आलम– मोहिउद्दीनपुर निवासी नूर आलम पेशे से बिजली मिस्त्री था। भाई दिलावर ने बताया कि उसने तीन शादी की थी। शहजादी बानो दूसरी पत्नी है। तीनों पत्नी अलग-अलग रहती है। रविवार शाम को ही वह दूसरी पत्नी के घर आया था। पत्नी और बच्चों के साथ खाना खाकर सो गया। सुबह जब सिलेंडर फटने की आवाज हुई तो आसपास के लोग जुटे। आग की लपटें देखकर तत्काल पुलिस और अग्निशमन विभाग को लोगों ने जानकारी दी। तत्काल पहुंची अग्निशमन दस्ता ने किसी तरह आगू पर काबू पाया। लेकिन तब तक बच्चों के साथ नूर आलम ने पूरी तरह झुलस कर दम तोड़ दिया था। गंभीर रूप से झुलस चुकी मृतक की पत्नी शहजादी बानो को सदर अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया।

बिहार विधानसभा में तेजस्वी के बिगड़े बोल- कैसे-कैसे लोगों को मंत्री बना दिया, बिहार में गरमाई सियासत

पटना । बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान सोमवार को भारी हंगामा हुआ। विधानसभा की कार्यवाही के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने गन्ना मंत्री प्रमोद कुमार पर भड़कते हुए कहा कि उन्हें मंत्री कैसे बना दिया गया कैसे-कैसे लोग मंत्री बना दिए गए हैं।

सदन में नीतीश सरकार के मंत्री पर इस सीधे हमले के बाद सत्ता पक्ष भड़क गया। बात इतनी बढ़ी कि उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद विधानसभा अध्यक्ष विजय सिन्हा पर पर विपक्ष के नेता को संरक्षण देने का आरोप तक लगा दिया। अब भोजनावकाश के बाद फिर इस मामले पर हंगामा की उम्मीद है। इस बीच घटना से सदन के बाहर भी राजनीति गरमा गई है।

मंत्री को बोले तेजस्वी- आपको कैसे मंत्री बना दिया– बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने विधानसभा में भड़कते हुए गन्ना मंत्री प्रमोद कुमार को कहा, अरे यार! आप तो गजब हैं। कैसे मंत्री बना दिया है। मामला तेजस्वी यादव द्वारा उनके सवाल के जवाब के दौरान मंत्री प्रमोद कुमार पर की गई टिप्पणी का है। इसपर विधानसभा अध्यक्ष ने मंत्री प्रमोद कुमार को कहा कि जवाब में फैक्ट दें, यदि कोई संशय हो तो जांच करा कर दोषी अधिकारियों को दंड दें।

नेता प्रतिपक्ष की टिप्पणी पर भड़का सत्ता पक्ष– इसके बाद उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने तेजस्वी पर गलत परंपरा की शुरुआत का आरोप लगाया। कहा कि विपक्ष सरकार के मंत्रियों के संबंध में ऐसी टिप्पणी नहीं कर सकता है। उपमुख्यमंत्री ने सीधे विधानसभा अध्यक्ष को ही निशाने पर लेते हुए कहा कि सदन में एक व्यक्ति को संरक्षण दिया जा रहा है।

उर्जा मंत्री विजेंद्र यादव ने भड़कते हुए कहा कि विधानसभा अध्यक्ष मंत्रियों को तो बोलने के दौरान बैठा देते हैं। नंद किशोर यादव ने तेजस्वी पर सदन का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कैसे-कैसे लोग मंत्री बन जाते हैं कहने के लिए उन्हें माफी मांगनी पड़ेगी। सदन में हंगामा खड़ा होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष विजय सिन्हा ने सदन नियमों के तहत ही चलाने का आश्वासन दिया।

प्रयागराज में निजीकरण के विरोध में यूनाइटेड फोरम ऑफ़ बैंक यूनियंस द्वारा आहूत एक राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दौरान सुरक्षा गार्ड एक बंद इलाहाबाद बैंक के बाहर खड़े हैं।

एक नजर

महाराष्ट्र में इस साल पहली बार सामने आये 16 हजार से अधिक मामले, 50 संक्रमितों की मौत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में रविवार को कोरोना संक्रमण के 16,620 नए मामले सामने आये हैं जिसके बाद राज्य में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 23,14,413 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बीते 24 घंटे में कोरोना महामारी के कारण 50 लोगों की मौत दर्ज की गई जिसके बाद मौत का आंकड़ा बढ़कर 52,861 तक पहुंच गया है। बता दें कि पिछले दो दिनों में राज्य के दैनिक मामलों की संख्या 15 हजार से ज्यादा थी जो रविवार को 16 हजार के पार पहुंच गई।

राज्य में 8,861 रोगियों को स्वस्थ पाये जाने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई जिसके बाद राज्य में स्वस्थ पाये जाने मरीजों की संख्या बढ़कर 21,34,072 तक पहुंच गई है। राज्य में कोविड मरीजों की रिकवरी दर 92.21 प्रतिशत है जबकि मृत्यु दर 2.28 प्रतिशत है। कुल 1,26,231 मरीज सक्रिय बताये गए हैं। वर्तमान में, 5,83,713 लोग होम क्वारंटाइन में हैं जबकि 5,493 लोग संस्थागत क्वारंटाइन में हैं। रविवार को राज्य में 1,08,381 लोगों का परीक्षण किया गया। राज्य में अब तक कुल 1,75,16,885 लोगों का परीक्षण किया जा चुका है।

बीते 24 घंटे में मुंबई शहर में 1,963 नए मामले, पुणे शहर में 1,780, औरंगाबाद शहर में 752, नांदेड़ शहर में 351, पिंपरी चिंचवाड़ में 806, अमरावती शहर में 209 और नागपुर शहर में 1,976, अहमदनगर शहर में 151 नए मामले, जलगांव शहर में 246 और नासिक शहर में 946 दर्ज किए गए। मुंबई डिवीजन में 3,676 नए मामले, नासिक डिवीजन 2,776, पुणे डिवीजन 3,609, नागपुर डिवीजन 1,860, लातूर डिवीजन 914, औरंगाबाद डिवीजन 1,289, कोल्हापुर डिवीजन 106 दर्ज किए गए। मुंबई डिवीजन, ठाणे शहर, कल्याण डोंबिवली, उल्हासनगर, भिवंडी, मीरा भयंदर, पालघर, वसई-विरार, रायगढ़, पनवेल में पिछले 24 घंटों में संक्रमण के कारण एक भी मौत की सूचना नहीं मिली है।

बैंकों के निजीकरण के खिलाफ देशव्यापी हड़ताल, दो दिन ठप रहेगा कामकाज

मुंबई । राष्ट्रीयकृत बैंकों के निजीकरण को लेकर केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ बैंककर्मियों ने दो दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बैनर तले 9 यूनियन 15 व 16 मार्च देशव्यापी आंदोलन कर रहीं हैं।इस आंदोलन का समर्थन करते हुए महाराष्ट्र में भी सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों के कर्मचारी दो दिन हड़ताल पर रहेंगे। इसकी वजह से दो दिन तक बैंकों का कामकाज ठप रहेगा। बता दें कि यूनियंस ने ये हड़ताल सरकारी बैंकों के प्रस्तावित निजीकरण के खिलाफ बुलाई है। इस हड़ताल में लगभग 10 लाख बैंक कर्मचारी व अधिकारी भाग लेंगे। देश के हर राज्य में अपने-अपने जिलों में बैंक कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे हैं। मुंबई में भी बैंकों के बाहर बैंककर्मी जमा होने शुरू हो गए हैं।

इस वर्ष बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण की घोषणा की थी। 2019 में केंद्र सरकार पहले ही एलआईसी में आईडीबीआई बैंक का अधिकांश हिस्सा बेच चुकी है। इसके साथ ही बीते चार वर्षो में 14 सार्वजनिक बैंकों का विलय किया गया है।

यूएफबीयू में ये यूनियन हैं शामिल- यूएफबीयू के सदस्यों में ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन (एआईबीओसी), नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ बैंक एम्प्लॉयज (एनसीबीई), ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉयज एसोसिशन (एआईबीईए), ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (एआईबीओए) और बैंक एम्प्लॉयज कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीईएफआई) शामिल हैं। इनके अलावा इंडियन नेशनल बैंक ऑफिसर्स कांग्रेस (आईएनबीओसी), नेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ बैंक वर्कर्स (एनओबीडब्ल्यू) इंडियन नेशनल बैंक एम्प्लॉयज फेडरेशन (आईएनबीईएफ), और नेशनल आर्गनाइजेशन ऑफ बैंक ऑफिसर्स (एनओबीओ) शामिल हैं।

तृणमूल में शामिल होते ही यशवंत सिन्हा को मिली बड़ी जिम्मेदारी, ममता ने बनाया पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

कोलकाता । हाल ही में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल हुए पूर्व वरिष्ठ भाजपा नेता यशवंत सिन्हा को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें टीएमसी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राष्ट्रीय कार्यसमिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। बता दें कि कोलकाता में टीएमसी दफ्तर में यशवंत सिन्हा ने शनिवार को पार्टी की सदस्यता ली थी। सिन्हा अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में वित्त और विदेश मंत्री रह चुके हैं। सदस्यता लेते समय यशवंत सिन्हा ने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा था।

उन्होंने कहा था कि अटल बिहारी वाजपेयी के समय भाजपा सर्वसम्मति में विश्वास रखती थी लेकिन आज की भाजपा कुचलने और जीतने में विश्वास करती है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा था कि आज अकाली दल और शिवसेना जैसे दल ने भारतीय जनता पार्टी छोड़ दी है। यशवंत सिन्हा ने पीएम मोदी और अमित शाह पर आरोप लगाते हुए कहा था कि ये चुनाव जीतने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यही नहीं सिन्हा ने यह तक कह दिया था कि आज के समय में न्यायपालिका समेत कई लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हो गई हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों में हलचल जारी है। बंगाल के कोलकाता में पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा हाल ही में तृणमूल कांग्रेस में शामिल हुए थे। उन्हें ममता बनर्जी ने नई जिम्मेदारी दे कर टीएमसी के उपाध्यक्ष बनाया है। जानकारी हो कि यशवंत सिन्हा वाजपेयी सरकार में वित्तमंत्री और विदेश मंत्री रह चुके हैं। सदस्यता लेते समय यशवंत सिन्हा ने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि आज अकाली दल और बीजद ने भारतीय जनता पार्टी छोड़ दी है।

बता दें कि यशवंत सिन्हा ने बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच भयानक संघर्ष की बात कही है। उन्होंने कहा, मैं बहुत अफसोस के साथ कह रहा हूं कि चुनाव आयोग अब स्वतंत्र संस्था नहीं रही है। तोड़-मरोड़ कर चुनाव (8 चरणों में मतदान) कराने का फैसला मोदी-शाह के नियंत्रण में लिया गया है और भाजपा को फायदा पहुंचाने के ख्याल से लिया गया है। उन्होंने बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच भयानक संघर्ष की बात कही।

बाड़मेर में युवक का अपहरण, पेड़ से बांधकर पीटा; नाक काटने की कोशिश

जोधपुर । राजस्थान के बाड़मेर में एक युवक का अपहरण कर उसे अज्ञात स्थान पर ले जाकर पेड़ से बांध कर मारपीट करने का मामला सामने आया है। इसके बाद युवक की नाक काटने का प्रयास भी किया गया। युवक को पेड़ से बांधकर उसके साथ जमकर मारपीट भी हुई है। बाड़मेर पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। बाड़मेर के धोरीमन्ना क्षेत्र का सुरेश कुमार पुत्र कुंभाराम किसी काम के सिलसिले में गुडामालानी के सिंदाबास गांव में आया हुआ था, जहां सरली गांव निवासी श्रवण कुमार सहित कुछ लोग उसे उठाकर ले गए थे। युवकों की संख्या पांच से सात बताई जा रही है। पीड़ित को गुडामालानी थाना क्षेत्र के भाखरपुरा गांव से उठाया और मारपीट करते हुए अज्ञात स्थान पर ले गए। बदमाशो ने युवक को एक पेड़ से बांध दिया जिसके बाद उसके साथ और मारपीट हुई। वही बदमाशों के द्वारा उसका नाक का काटने का भी प्रयास किया गया।

इधर घटना के बाद बाड़मेर के सरणू गांव के श्मशान घाट के पास युवक पेड़ से बंधा मिला। जिसके बाद स्थानीय निवासियों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के पेड से बंधे हाथ पैर को खोलें और उसके बाद उसे प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका मेडिकल भी करवाया गया।हालांकि अपहरण और मारपीट की स्पष्ट वजह अभी तक सामने नहीं आई है। फिर भी पारिवारिक रंजिश इस विवाद की वजह बताई जा रही है। पीड़ित युवक के द्वारा छह-सात युवकों द्वारा उसका अपहरण करने और मारपीट करने व नाक काटे जाने के प्रयास करने की बात कहे जाने पर मामला दर्ज किया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर बाड़मेर की सदर सिणधरी गुडामालानी व चवा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। और युवक को अस्पताल लेकर गए गए, जहां उसका उपचार किया गया युवक की हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

गुजरात में कोरोना के 810 नए मामले, 20 बच्चों के संक्रमित होने पर सूरत के दो स्कूल बंद

अहमदाबाद । गुजरात में स्थानीय निकाय चुनाव के बाद अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा व राजकोट शहरों में कोरोना संक्रमण के केस तेजी से बढ़ने लगे हैं। गुजरात में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 810 नए मामले आने के बाद कुल मामलों की संख्या 2,78,207 हुई। दो नई मौतों के बाद कुल मौतों की संख्या 4,424 हुई। सक्रिय मामले अब 4422 हैं। 586 नए डिस्चार्ज के बाद कुल डिस्चार्ज की संख्या 2,69,361 हुई। इससे पहले प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 775 केस सामने आए। इनमें सूरत में सबसे अधिक 206, अहमदाबाद में 187, वडोदरा में 84 व राजकोट में 77 केस दर्ज किए गए। सूरत में 20 बच्चों के कोरोना संक्रमित होने के बाद दो स्कूलों को बंद भी करना पड़ा। गुजरात में कोरोना संक्रमण के अब तक 277397 केस दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें से 268875 रिकवर हो चुके हैं, जबकि 4422 लोग कोरोना के चलते काल कवलित हो गए। अहमदाबाद में कोरोना के सबसे अधिक संक्रमित के सामने आए। यहां 64467 मामले सामने आए, जिनमें से 61236 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। 2322 लोगों की अहमदाबाद में कोरोना से मौत हो चुकी है। सूरत में कोरोना संक्रमितों की संख्या 55565, वडोदरा में 31137, जबकि राजकोट में कोरोना वायरस संक्रमित लोगों की संख्या 24150 पहुंच गई है। सूरत में कोरोना से मरने वालों की संख्या 784 हैं। वडोदरा में 241 लोगों की कोरोना के चलते अब तक मौत हो चुकी है। राजकोट में 77 तथा जामनगर में 16 लोगों की कोरोना के चलते मौत हुई है। राजकोट में लोगों को फर्जी कोविड-19 निगेटिव रिपोर्ट बेचने के आरोप में एक लैबोरेटरी एजेंट के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि आरोपित पराग जोशी हर जरूरतमंद व्यक्ति से 1500 रुपये लेकर कोविड-19 निगेटिव रिपोर्ट बेच रहा था।उप चिकित्सा अधिकारी डा. पराग चौनारा की शिकायत पर गांधीग्राम थाने में जोशी एवं अन्य अज्ञात आरोपितों के खिलाफ भादवि की संबंधित धाराओं, आपदा प्रबंधन अधिनियम और गुजरात मेडिकल प्रैक्टिशनर्स अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। जोशी बिना लाइसेंस के होम सैंपल कलेक्शन सेंटर चलाता है। वह लोगों से उनका स्वैब नमूना लिए बगैर निगेटिव रिपोर्ट बेचता था। अधिकारी ने कहा, %हमें जानकारी मिली कि जिस व्यक्ति के नाम से रिपोर्ट जारी की जानी होती है उसके दस्तावेज के साथ लैबोरेटरी में दूसरे व्यक्ति का नमूना भेजा जाता था।

नागुपर में दिखने लगा लॉकडाउन का असर, घरों में कैद हुए लोग; सड़कों पर पुलिस तैनात

नागपुर । महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण का जाल तेजी से फैलता ही जा रहा है जिसे देखते हुए राज्य के कई जिलो में लॉकडाउन लागू कर दिया गया है। महाराष्ट्र में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 16 हजार मामले सामने आए हैं जिसे देख कर लग रहा है कि हालात अब दिन प्रतिदिन बेहद खराब होते जा रहे हैं। एहतियातन नागपुर में भी लॉकडाउन लागू कर दिया गया है। नागुपर में 15 मार्च से 21 मार्च तक पूर्ण लॉकडाउन रहेगा। जिसकी वजह से सुबह से ही यहां सन्नाटा पसरा हुआ है, सड़कें सुनसान पड़ी हैं।

नागपुर में एक सप्ताह के लिए लागू हुए लॉकडाउन के शुरू होती ही पुलिस के जवान तैनात कर दिए गए हैं । पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार कहते हैं, ÷शहर भर में पुलिस गश्त लगा रही है। जो लोग सड़कों पर बेवजह बाहर निकल रहे हैं या कोविड मानदंडों का उल्लंघन कर रहे हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। नागपुर में लॉकडाउन के बीच लोग जॉगिंग करने और व्यायाम के लिए घरों से बाहर आए। बता दें जिले में बीते 24घंटों में कोरोना संक्रमण के 2,252 नए मामले सामने आए हैं।

कोरोना संक्रमण के बढ़ रहे मामलों के कारण महाराष्ट्र के नागपुर, पुणे, अकोला, परभणी और औरंगाबाद जिलों में लॉकडाउन लागू कर दिया गया है। महाराष्ट्र की उद्धव सरकार का कहना है कि अगर कोरोना के मामले इसी तरह से बढ़ते रहे तो आने वाले दिनों में सरकार का और सख्त फैसला लेना होगा और राज्य के अन्य इलाकों में भी पूर्ण लॉकडाउन लागू करना होगा। नागपुर में 15 मार्च से 21 मार्च तक पूर्ण लॉकडाउन जारी रहेगा जबकि परभणी में बीते शुक्रवार रात 12 मार्च से 15 मार्च सुबह 6 बजे तक लॉकडाउन लगाया गया था। पुणे में रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक के लिए नाइट कर्फ्यू लागू किया गया है।

महाराष्ट्र में सबसे अधिक मामले

देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। सबसे अधिक मामले महाराष्ट्र से सामने आए हैं। महाराष्ट्र में बीते 24 घंटे में 16 हजार नए मामले सामने आये हैं। शनिवार को 15,800 से नए मामले सामने आये थे और उससे पहले शुक्रवार को 13 हजार से अधिक मामले सामने आये थे। राज्य में कोरोना संक्रमण के मामलों की संख्या अब बढ़कर 22,97,793 तक पहुंच चुकी है और मौत का आंकड़ा बढ़कर 52,811 हो गया है।

पुणे में स्कूल-कॉलेज बंद- कोरोना संक्रमण को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार अलर्ट हो चुकी है। बीते शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने पुणे में कोरोना महामारी को लेकर राज्य केजिलाअधिकारियों की एक बैठक बुलायी थी जिसके बाद पुणे में 31 मार्च तक के लिए स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए। इसके साथ ही नई गाइडलाइन जारी करते हुए जिले में होटल और रेस्तरां को 50 प्रतिशत बैठने की क्षमता के साथ खोलने की अनुमति दी है। फूड डिलीवरी भी 11बजे तक ही की जाएगी। इसके अलावा होटल व रेस्तरां 10 बजे बंद कर दिए जाएंगे।

प्लेटफार्म टिकट हुआ महंगा- राज्य के नागपुर और भुसावल डिवीजनों के कुछ स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्लेटफार्म टिकट के दाम बढ़ाकर 50 रुपये कर दिए गए हैं। जबकि इससे पहले प्लेटफार्म टिकट की कीमत 10 रुपये थी।

सचिन वझे की गिरफ्तारी पर आक्रामक हुई भाजपा, तारीफ में जुटी शिवसेना; सरकार की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

मुंबई । मुकेश अंबानी के घर के निकट विस्फोटक लदी स्कार्पियो मिलने के बाद से ही राज्य का एकमात्र, लेकिन मजबूत विपक्षी दल भाजपा सरकार पर आक्रामक नजर आ रहा है। अब सचिन वझे की गिरफ्तारी के बाद उसे अपने आरोपों को धार देने का मौका मिल गया है। लेकिन शिवसेना अब भी सचिन वझे को 'अच्छा अधिकारी' बताने में ही जुटी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि सचिन वझे का बचाव करके मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र की गरिमा को ठेस पहुंचाया है।

नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फड़नवीस पहले से कहते आ रहे थे कि स्कार्पियो अंबानी के घर के निकट खड़ी किए जाने की रात जो इन्नोवा स्कार्पियो के चालक लेकर वापस गई, वह अभी भी मुंबई में ही है। आज रात वही कार पुलिस मुख्यालय में पाए जाने व सचिन की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री ऐसे सचिन का बचाव कर रहे थे, जैसे वही उनके वकील हों। फड़नवीस के अनुसार, मुझे लगता है कि अभी जांच का केवल एक ही पक्ष सामने आया है। मनसुख हिरेन की मौत का मामला अभी हल नहीं हुआ है। आगे जांच से पता चलेगा कि इसमें कौन शामिल था और उसका इरादा क्या था।

भाजपा विधायक राम कदम ने सचिन वझे के नार्को टेस्ट की मांग उठा दी है। उन्होंने कहा कि क्या सरकार इस बात को लेकर चिंतित है कि वझे की जांच सरकार तक पहुंच सकती है और कुछ नए खुलासे हो सकते हैं ? जबकि विधान परिषद में नेता विरोधी दल प्रवीण दरेकर ने कहा है कि अब उद्धव ठाकरे को जवाब देना चाहिए। क्योंकि वह सचिन वझे का बचाव कर रहे थे। शिवसेना के विरुद्ध अक्सर आक्रामक रहने वाले भाजपा नेता किरीट सोमैया ने कहा कि ठाकरे सरकार सचिन वझे का बचाव कर रही थी। अब हम वझे गैंग के और लोगों की भी गिरफ्तारी की उम्मीद कर रहे हैं। सोमैया ने सवाल उठाया है कि मुंबई पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह तीन दिन तक सचिन वझे से क्या बात कर रहे थे ? कभी शिवसेना से ही राज्य के मुख्यमंत्री रहे नारायण राणे भी कहा है कि मुंबई पुलिस में कोई सचिन वझे का आका बैठा है।

लेकिन सचिन वजे की गिरफ्तारी व भाजपा के उक्त आरोपों के बावजूद शिवसेना के सुर अभी नहीं बदले हैं। वह अभी भी सचिव वझे के पीछे चट्टान की तरह खड़ी दिखाई दे रही है। शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने वझे को आज भी अच्छा अधिकारी बताते हुए केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि वह केंद्रीय एजेंसियों के जरिए महाराष्ट्र की महाअघाड़ी सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है। राउत का यह भी मानना है कि स्कार्पियो प्रकरण की जांच मुंबई पुलिस अच्छी तरह से कर सकती थी। उसे एनआइए को दिए जाने की जरूरत नहीं थी। इसका मुंबई पुलिस के मनोबल पर बुरा असर पड़ता है।

राउत मानते हैं कि केंद्र सरकार सरकार ऐसा करके राज्य व्यवस्था पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही है। इसी दबाव के कारण पुलिस और प्रशासन के लोग विपक्ष को महत्त्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध करा देते हैं। ऐसा होना सरकार के लिए अशुभ संकेत है। यह बयान देकर राउत चार दिन पहले विधानसभा की घटनाओं की ओर इशारा कर रहे थे। जहां नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फड़नवीस के हाथों में मनसुख हत्या प्रकरण की प्राथमिकी, दादरा-नगर हवेली के सांसद मोहन देलकर की आत्महत्या से पहले लिखा गया उनका सुसाइड नोट तथा मनसुख हिरेन की काल डिटेल रिकार्ड नजर आए थे। आश्चर्य यह कि सरकार को मुश्किल में डालने वाले इस प्रकरण को राकांपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार एक छोटा मसला मान रहे हैं। आज उन्होंने यही कर इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

सरकार को संकट में डाल सकती है सचिन वझे की गिरफ्तारी- मुकेश अंबानी के घर के निकट मिली संदिग्ध स्कार्पियो के मामले में मुंबई पुलिस के एपीआई सचिन वझे से भविष्य में होने वाली पूछताछ किसी महत्त्वपूर्ण साजिश का पर्दाफाश कर सकती है। इसके कारण राज्य सरकार पर भी संकट खड़े हो सकते हैं। वझे को शनिवार देर रात केंद्रीय जांच एजेंसी एनआइए ने गिरफ्तार किया था। आज विशेष अदालत ने उन्हें 25 मार्च तक एनआइए की हिरासत में भेज दिया है।

मनसुख हिरेन हत्याकांड में आरोपी बनाए मुंबई पुलिस के एपीआई सचिन वझे का बचाव करने के कारण राज्य सरकार एवं शिवसेना सवालों के घेरे में आ गई हैं। अंबानी के घर के निकट मिली स्कार्पियो के साथ खड़ी देखी गई इन्नोवा कार की मुंबई पुलिस मुख्यालय से बरामदगी ने भी मुंबई पुलिस के आला अधिकारियों एवं सत्तारूढ़ दल के नेताओं पर सवालिया निशान लगा दिया है। सचिन वझे की गिरफ्तारी के तीन घंटे बाद एनआईए यह इन्नोवा कार क्रॉफर्ड मार्केट स्थित मुंबई पुलिस मुख्यालय से खिंचवाकर अपने पैडर रोड स्थित कार्यालय ले गई।

अंबानी के घर के निकट विस्फोटक लदी संदिग्ध स्कार्पियो मिलने के बाद से ही इस इन्नोवा की तलाश की जा रही थी, लेकिन सचिन वझे सहित किसी पुलिस अधिकारी ने अब तक यह खुलासा नहीं किया था कि इस कार का उपयोग क्राइम इंटेलीजेंस यूनिट (सीआईयू) के ही लोग कर रहे थे। जबकि 25 फरवरी से ही संदेह जताया जा रहा था कि अंबानी के घर के निकट स्कार्पियो खड़ी करनेवाला ड्राइवर इसी इन्नोवा कार में बैठकर वापस गया था। शनिवार को सचिन वझे से हुई 13 घंटे लंबी पूछताछ में स्कार्पियो, इन्नोवा एवं सचिन वझे की यही कड़ी जुड़ जाने के बाद एनआईए ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और पुलिस मुख्यालय में खड़ी इन्नोवा भी बरामद कर ली। अब यह मामला सचिन वझे की गिरफ्तारी तक ही थमता नहीं दिखाई दे रहा है। आज दिन में करीब साढ़े चार घंटे सीआईयू में सचिन के साथी रहे एपीआई काजी से एनआईए ने पूछताछ की है। पूछताछ की इस कड़ी में स्कार्पियो एवं इन्नोवा के चालकों सहित कई और पुलिस अधिकारियों के नाम जुड़ सकते हैं। संभव है कि स्कार्पियो के कथित मालिक दिवंगत मनसुख हिरेन हत्या प्रकरण की जांच भी एनआईए अपने हाथ में ले ले। तब उसकी जांच शिवसेना नेताओं तक भी जा सकती है। क्योंकि जिस रात मनसुख अपने घर से गायब हुए थे, उस रात उनके एक मोबाइल फोन की लोकेशन शिवसेना के एक पूर्व सभासद धनंजय गावड़े के विरार स्थित फार्म हाउस के पास पाई गई है।

धनंजय और सचिन वझे कभी एक साथ जेल में रहे हैं। जेल से जमानत पर छूटने के बाद खुद सचिन वझे ने भी 2008 में शिवसेना की सदस्यता ली थी। लेकिन राज्य में शिवसेनानीत सरकार आने के बाद करीब साल भर पहले वझे की न सिर्फ फिर से पुलिस विभाग में बहाली हो गई, बल्कि उन्हें सीआईयू जैसी महत्त्वपूर्ण शाखा में तैनाती देकर कई बड़े मामलों की जांच भी सौंप दी गई। विपक्ष इन्हीं बातों को लेकर सवाल उठा रहा है। जबकि शिवसेना अध्यक्ष एवं राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे आज भी यह कहकर सचिन वझे का बचाव करते दिखाई दे रहे हैं, वह सचिन कोई ओसामा बिन लादेन नहीं है ।

बीजद नेता व विधायक सुधांशु परीडा पर भाजपा ने लगाए गंभीर आरोप, आंदोलन की दी चेतावनी

बालेश्वर । कृषि यंत्रों में व्यापक घपला करने का आरोप रेमना के विधायक तथा बीजू जनता दल के नेता सुधांशु शेखर परिडा पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा भूतपूर्व विधायक गोविंद चंद्र दास और वरिष्ठ कृषक नेता बिपिन बिहारी दास ने इस तरह के गंभीर आरोप लगाए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने एक पत्रकार सम्मेलन में कहा कि गरीब किसानों को मूर्ख बनाकर रेमना के विधायक ने 3 वर्षों में 9 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। इन नेताओं ने कहा कि निगमानंद एसोसिएट्स नामक एक संस्था की ओर से कृषकों से भारी मात्रा में विधायक श्री परिडा ने पैसे लूटे हैं। जिन लोगों के पास कृषि योग्य जमीन नहीं है उन्हें भी नकली कागजों के आधार पर उनके नामों पर सरकारी सब्सिडी लूटी गई है।

सरकारी नियमों के अनुसार जिसके

पास 7 एकड़ जमीन होगी उसे ही 24 लाख रुपए का हार्वेस्टर लोन पर दिया जाता है। जिसमें करीब 25त्न किसानों को सब्सिडी मिलती है लेकिन ऐसा ना करके जिनके पास 4 से 5 डिसमिल जमीन है उन्हें किसान बनाकर सब्सिडी का पैसा विधायक परिडा ने डकारने की बात प्रेस वार्ता में भाजपा के इन नेताओं ने कही है। गंभीर आरोप लगाते हुए इन नेताओं ने कहा कि मात्र 3 वर्षों में सब्सिडी के नाम पर विधायक ने 9 करोड़ से ज्यादा का रुपया लूट चुके हैं। यह सभी सब्सिडी निगमानंद एसोसिएट्स के नाम पर कमाया गया है। जिसमें विधायक के सीधे-सीधे हस्तक्षेप की बात कही गई है। इनका आरोप है कि विधायक चंद वर्षों पूर्व कितने रुपए के मालिक थे, इनके पास कितनी संपत्ति थी, यह ओडिशा के रहने वाले हैं या पश्चिम बंगाल के इन सभी घटनाओं का उच्च स्तरीय विजिलेंस जांच की जानी चाहिए। भाजपा के नेताओं ने कहा कि विजिलेंस विभाग के बड़े अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए हैं लेकिन इसके बाद भी जिला स्तर के विजिलेंस वाले हाथों पर हाथ धरे क्यों बैठे हैं क्यों जांच नहीं कर रहे हैं।

क्या शासक दल का विधायक होने के कारण उनके प्रति कहीं विजिलेंस वाले नरमी तो नहीं दिखा रहे हैं इन नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 7 दिनों के भीतर उक्त घटना का जांच विजिलेंस वाले नहीं करेंगे, तो भाजपा विजिलेंस कार्यालय को पूरी तरह से अचल कर देगा तथा कृषि विभाग के कार्यालय का भी घेराव किया जाएगा। इस संपर्क में जब हमने रेमना के विधायक सुधांशु परीडा की प्रतिक्रिया जाननी चाही तो कई-कई बार उन्हें फोन किया लेकिन विधायक परिडा ने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा। इसके पहले भी उन्हीं की पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता विधायक पर कई प्रकार के आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहे हैं। इनका आरोप है कि राजनीति के बजाय विधायक व्यापार में ज्यादा समय बिताते हैं और जल्द किसी का फोन नहीं उठाते। क्या स्वच्छता का डंका बजाने वाली राज्य की नवीन सरकार अपने पार्टी के विधायक पर लगाए गए इस तरह गंभीर आरोप की जांच कराएंगे या फिर बात वही ढाक के तीन पात वाली रहेगी।

पटियाला में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण और प्रतिगामी बैंकिंग सुधारों के खिलाफ दो दिन की देशव्यापी बैंकों की हड़ताल के दौरान बैंक कर्मचारियों ने एक विरोध प्रदर्शन के दौरान बैनर और तख्तियां दिखाईं।

मनोज बाजपेयी हुए कोरोना पॉजिटिव बीच में रोकी गई फिल्म की शूटिंग

कोरोना वायरस का सामना करने के लिए जहां एक तरफ वैक्सीन आ चुकी है, वहीं दूसरी तरफ इस वायरस से संक्रमण के मामले थमते नजर नहीं आ रहे हैं। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी कोविड-19 संक्रमित पाए गए हैं। मीडिया रिपोर्टस की मानें तो मनोज बाजपेयी एक फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, इस दौरान उनकी कोरोना टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई। बताया जा रहा है कि इस कारण से फिल्म की शूटिंग बंद कर दी गई है।

पहले फिल्म के डायरेक्टर को हुआ कोरोना

मनोज बाजपेयी, फिल्ममेकर रॉनी स्क्रूवाला की अपकमिंग फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। वहीं जब मनोज को कोरोना संक्रमित पाया गया तो फिल्म की शूटिंग बीच में ही बंद करनी पड़ गई है। बताया जा रहा है कि अभी इस फिल्म की शूटिंग वापस शुरू करने के लिए कुछ महीने लग जाएंगे। इससे पहले फिल्म के डायरेक्टर कानु बहल को भी कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। बातचीत के दौरान मनोज के पब्लिसिस्ट ने उनकी कोरोना टेस्ट रिपोर्ट के बारे में जानकारी दी है।

अब ठीक है तबीयत

पब्लिसिस्ट के स्टेटमेंट के मुताबिक 'डायरेक्टर के बाद मनोज बाजपेयी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। फिल्म की शूटिंग कुछ महीनों बाद ही शुरु हो सकेगी। उनका अभी इलाज चल रहा है, वो काफी अच्छे तरीके से रिकवर कर रहे हैं। मनोज बाजपेयी अभी घर पर ही सेल्फ क्वारंटाइन में हैं और सभी एहतियात बरत रहे हैं'।

मनोज ने की थी फिल्म पर बात

बता दें कि वो जिस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं उसका नाम 'डिस्पैच' है, ये एक थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म की कहानी को लेकर मनोज बाजपेयी एक इंटरव्यू के दौरान अपनी एक्साइटमेंट जाहिर कर चुके हैं। ये फिल्म ओटीटी प्लैटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है।

अरिजीत सिंह बने कम्पोजर

बॉलीवुड व देश के जाने-माने पाश्र्वगायक अरिजीत सिंह फिल्म 'पगलेट' संगीतकार बनने की राह पर चल पड़े हैं। फिल्म में सान्या मल्होत्रा मुख्य किरदार में हैं। अरिजीत कहते हैं, ''मेरे दिल के बहुत करीबी एक प्रोजेक्ट के साथ एक म्यूजिक कंपोजर के तौर पर मैंने अपना डेब्यू कर लिया है। मैं खुद को सम्मानित महसूस करता हूं कि मुझे दुनिया के सामने अपनी संगीत को परोसने का मौका मिला है। संध्या के आत्मविश्वास और जीत की प्रेरणादायक कहानी मेरे संगीतमय सफर से काफी मिलती-जुलती है और मैं 'पगलेट' जैसी एक स्पेशल फिल्म के साथ जुड़कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।''' पगलेट' संध्या (सान्या मल्होत्रा द्वारा निभाया गया किरदार) की कहानी है, जो अपने पति के निधन पर दुख जताने के लिए संघर्ष कर रही है। अपनी खुद की पहचान और जिंदगी के मकसद को तलाशने के लिए वह आत्म खोज के अपने सफर पर निकलती है। इस राह पर चलने के दौरान उसे अपने परिवार के लोगों से भी संघर्ष का सामना करना पड़ता है। उमेश बिष्ट द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में सयानी गुप्ता, श्रुति शर्मा, आशुतोष राणा, रघुबीर यादव, शीबा चड्ढा, मेघना मलिक और राजेश तैलंग जैसे कलाकार भी हैं। 'पगलेट' को शोभा कपूर, एकता कपूर, गुनीत मोंगा और अचिन जैन ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

मायरा मिश्रा से ब्रेकअप के बाद अध्ययन सुमन ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्टर शेखर सुमन के बेटे अध्ययन सुमन अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उनका अपनी गर्लफ्रेंड और अभिनेत्री मायरा मिश्रा के साथ ब्रेकअप हो गया है। इसकी जानकारी खुद मायरा मिश्रा ने दी है। मायरा ने एक इंटरव्यू में खुलकर इस बारे में बात की और उनपर कई आरोप भी लगाए। वहीं मायरा के इस बयान के बाद अध्ययन सुमन भी कई ट्वीट किए हैं और इस ब्रेकअप की वजह बताई है। उनके ट्वीट तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अध्ययन सुमन ने एक ट्वीट में लिखा, नमस्कार, मैं केवल इस स्तर पर बस इतना कहना चाहूंगा कि मेरा सभी महिलाओं के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है, मेरी मां, मेरी बहन, करीबी दोस्त और वे सभी जिनके साथ मेरी यादें जुड़ी है। उन्होंने एक और ट्वीट किया, मेरी परवरिश मुझे पब्लिकली किसी पर कीचड़ उछालने की अनुमति नहीं देती है और मैं अपनी पिछली गलतियों से सीखना चाहता हूं और इस स्तर पर किसी से कुछ नहीं कहना चाहता। मेरा फोकस मेरा काम है जो पब्लिक डोमेन में है और मैं बहुत जल्द अपने नए गाने को रिलीज करने के लिए उत्सुक हूं। कृपया मेरी निजता का सम्मान करें। बता दें कि मायरा ने एक इंटरव्यू में कहा था, नवंबर में हमारा ब्रेकअप हो गया। अध्ययन अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ब्रेकअप से जुड़े पोस्ट कर रहे हैं, लेकिन मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि वो पोस्ट मेरे लिए नहीं हैं। वो उसके गाने के लिए हैं। मैं इस रिलेशनशिप को लेकर बहुत सीरीयस थी और सोचा था कि यह रिश्ता हमेशा चलेगा, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। मायरा ने कहा कि उनके बीच चीजें बिगड़ गई जिसकी उन्हें कभी उम्मीद नहीं थी। जब मैंने अध्ययन के साथ रहना शुरू किया तो, मैंने महसूस किया कि वो बहुत बदल गए हैं। मुझे जिस अध्ययन से प्यार हुआ था वह एक दूसरे ही आदमी थे। उनके बीच एक कम्यूनिकेशन गैप था।

तनुश्री दत्ता ने घटाया 15 किलो वजन

तनुश्री दत्ता ने फिल्म 'आशिक बनाया आपने' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। कभी अपनी खूबसूरती और बेहतरीन एक्टिंग से सभी का दिल जीतने वालीं तनुश्री दत्ता काफी लंबे समय से बड़े पर्दे से गायब हैं। अब ऐसा लगता है कि एक बार फिर से वो बॉलीवुड में कमबैक करने के लिए तैयार है। बड़े पर्दे से दूर रहने के बाद तनुश्री काफी सिंपल लाइफ जीती थीं। इतना ही नहीं उनका काफी वजन भी बढ़ गया था। हालांकि अब तनुश्री ने खुद को काफी बदल लिया है। हाल ही में तनुश्री ने अपनी कुछ फोटोज और वीडियोज शेयर किए हैं जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं। तनुश्री दत्ता पहले से काफी फिट और ग्लैमरस हो गई हैं। एक वीडियो में तनुश्री ने अपना ग्लैमरस अंदाज दिखाते हुए बैकग्राउंड में आशिक बनाया आपने गाना डाला हुआ है। इस वीडियो को देखकर आपको वही पुरानी आशिक बनाया वाली तनुश्री याद आ जाएगी। तनुश्री दत्ता ने 15 किलो वजन कम किया है और खुद को फैट टू फिट कर लिया है। उनके ट्रांसफॉर्मेशन लुक को देखकर फैंस काफी खुश हो गए है और कयास लगा रहे है कि एक्ट्रेस अब जल्द ही फिल्मों में नजर आएगी। बता दें कि तनुश्री ने कई फिल्मों में काम किया है, जिसमें चॉकलेट, भागम-भाग, ढोल, रिस्क, गुड बॉय बैड बॉय, सास बहु और सेंसेक्स और अपार्टमेंट शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने तेलुगू और तमिल फिल्मों में भी हाथ आजमाया है। लंबे समय तक बॉलीवुड और मीडिया से दूर रहीं तनुश्री उस वक्त सुर्खियों में आ गईं थीं, जब एक पुराने मामले में एक्टर नाना पाटेकर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए भारत में मीटू अभियान की शुरुआत की थी।

ओटीटी, सैटेलाइट राइट्स ने प्रोड्यूसर्स के जोखिम को कम कर दिया है

बॉलीवुड के जाने-माने फिल्मकार दिनेश विजान 'बदलापुर', 'बाला' और 'स्त्री' सहित कई फिल्मों का निर्माण किया है। वह इस बात से सहमत हैं कि डिजिटल और सैटेलाइट राइट्स के आने से किसी निर्माता के लिए जोखिम काफी हद तक कम हो गया है। विजान कहते हैं, ''डिजिटल का योगदान काफी ज्यादा है, लेकिन मैं यह मानता हूं कि दर्शकों का किसी फिल्म के लिए थिएटर में जाना, फिल्म को देखना, अधिक चुनौतीपूर्ण काम है क्योंकि आपको अपने दर्शकों को थिएटर तक लाना पड़ता है ताकि वह फिल्म को देखे और इसे पसंद करे।'' दिनेश का मानना है कि किसी फिल्म का थिएटर में रिलीज होना ही उसकी 'सच्ची अवधारणा' है। वह आगे कहते हैं, ''यह एक बहुत ही प्रतिक्रियाशील माध्यम है, लेकिन हां डिजिटल और सैटेलाइट राइट्स के आगमन से थिएटर के मुकाबले जोखिम काफी हद तक कम हुआ है। लेकिन थिएटर में किसी फिल्म के रिलीज होने की बात ही कुछ और है। यह अपने पीछे कई सारी यादें छोड़ जाती है।'' दिनेश की अगली फिल्म 'रूही' है। यह फिल्म सिनेमाघरों में 11 मार्च को रिलीज हुई है।

रणबीर कपूर को मिस कर रहीं हैं आलिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और रणबीर कपूर अपने रिलेशनशिप की खबरों को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं। दोनों ना केवल साथ में बल्कि एक दूसरे के परिवार के साथ भी समय बिताते नजर आते हैं। हाल ही में रणबीर कपूर कोरोनावायरस की चपेट में आ गए। रणबीर कपूर की कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई जबकि आलिया भट्ट की रिपोर्ट नेगेटिव है। इसके चलते वो रणबीर से मिल नहीं पा रही हैं। आलिया उन्हें बहुत मिस कर रही हैं। आलिया ने पहली बार अपनी और रणबीर की रोमांटिक फोटो शेयर की। आलिया ने रणबीर का हाथ पकड़े हुए फोटो शेयर की और लिखा कि वो उन्हें बहुत मिस कर रही हैं। बता दें कि रणबीर कपूर के बाद निर्देशक संजय लीला भंसाली भी कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। इसके बाद से ही आलिया भट्ट की हेल्थ को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। हालांकि उनकी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है। खबरों के मुताबिक रणबीर कपूर फिल्म ब्रह्मास्त्र की शूटिंग के वक्त कोरोना से संक्रमित हुए थे। अयान मुखर्जी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में रणबीर के अपोजिट आलिया भट्ट हैं। वहीं आलिया संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की लीड एक्ट्रेस हैं।

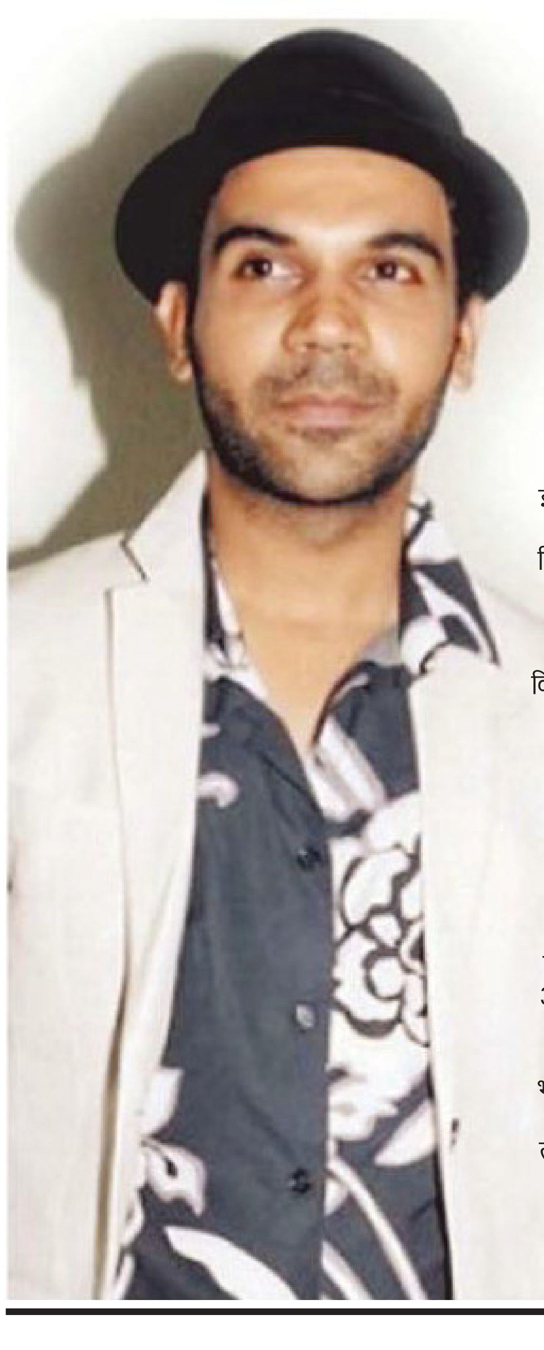

बधाई दो के लिए ट्रांसफॉर्मेशन कर पाना बिल्कुल आसान नहीं था

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव की फिल्म 'रूही' बीते दिन ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। 'रूही' के बाद राजकुमार राव अपनी अगली फिल्म 'बधाई दो' के प्रमोशन में बिजी हो गए हैं। इस फिल्म के लिए राजकुमार राव ने कितनी मेहनत की है इसकी एक छोटी सी झलक एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। राजकुमार राव को जंगल पिक्चर्स के 'बधाई दो' में एक सिपाही के रूप में देखा जाएगा। तस्वीर में राजकुमार का जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन नजर आ रहा है। बधाई दो में और बेहतर दिखने के लिए राजकुमार राव ने अपनी बॉडी पर काम किया है। तस्वीर के साथ एक्टर ने ये भी बताया है कि इस बॉडी को बनाने में उन्हें कितनी मुश्किल हुई। तस्वीर के साथ एक्टर ने लिखा, बधाई दो को शार्दुल ठाकुर। एक शाकाहारी होने के नाते और किसी भी कैमिकल का इस्तेमाल करे बिना इस तरह का ट्रांसफॉर्मेशन कर पाना बिल्कुल आसान नहीं था। लेकिन जब आप किसी चीज से प्यार करते हैं तो कुछ भी नामुमकिन नहीं होता। बधाई दो वो फिल्म है जो मेरे दिल के बहुत करीब है। हर बार जब भी राजकुमार राव बड़े पर्दे पर देखते हैं तो कुछ अलग पेश करते हुए नजर आते है। बहुमुखी अभिनेता को अपनी भूमिकाओं में प्रामाणिकता लाने के लिए जाना जाता है, जिससे यह अधिक दिलचस्प और वास्तविक प्रतीत होता है। अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बधाई दो' के लिए, अभिनेता ने अपने किरदार के लिए फिसिकल ट्रांसफॉर्मेशन का विकल्प चुना है, क्योंकि फिल्म में वह एक माहिला पुलिस थाने में एक सख्त पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे है। अपने किरदार शार्दुल ठाकुर के लिए प्रिपरेशन के बारे में बात करते हुए, राजकुमार ने कहा, जब हमारे निर्देशक हर्षवर्धन ने मुझे बताया कि मुझे उस भूमिका के लिए मसल्स बनाने की जरूरत है तो मैंने यही सोचा कि मुझे अपना खाना छोड़ना होगा। यह बिल्कुल आसान नहीं था, लेकिन स्क्रिप्ट प्रति उत्साह ने मुझे ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया। मैंने शूट शुरू होने से पहले अच्छी तरह से वर्कआउट करना शुरू कर दिया था, मैं हर दिन कम से कम 2 घंटे जिम करता था जिसमें शूट के दिन भी शामिल थे जो 12 घंटे तक चलते थे। अभिनेता आगे कहते है, शाकाहारी होने के नाते इन मसल्स को हासिल करना कठिन था और मुझे हमेशा यह पता था कि मैं कभी भी किसी भी तरह का स्टेरॉयड नहीं लेना चाहता। मैंने कभी अपना वर्कआउट स्किप नहीं किया और कभी भी अपनी डाइट में चीट नहीं किया। मैं हर किसी के खाने को घूरता रहता था और मैं अक्सर कहता था, 'आखिरी दिन पर मैं सभी मिठाई खाऊंगा। मुझे बहुत खुशी है कि बधाई दो ने मुझे अपनी फिसिक को पूरी तरह से बदलने का मौका दिया। मैं दर्शकों को अपनी खूबसूरत फिल्म दिखाने का इंतजार नहीं कर सकता।

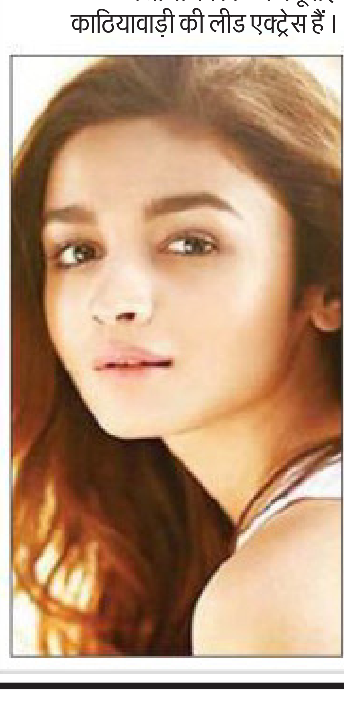

अली गोनी के भाई अर्सलान को डेट कर रही हैं सुजैन

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान के बारे में चर्चा है कि वह 'बिग बॉस 14' फेम अली गोनी के बड़े भाई अर्सलान गोनी को डेट कर रही हैं। सुजैन की ऋतिक से शादी साल 2000 में हुई थी और दोनों के दो बच्चे भी हैं, जिनके नाम- रिद्धान और रिहान है। दोनों ने साल 2013 में शादी के 14 साल के बाद तलाक ले लिया था। तलाक के बाद भी सुजैन और ऋतिक रोशन कई बार एक साथ देखे गए हैं। दोनों अपने बच्चों के सपोर्ट के लिए साथ भी रहे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सुजैन का नाम अब अली गोनी के भाई अर्सलान संग जोड़ा जा रहा है। अर्सलान एक एक्टर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ समय में अर्सलान और सुजैन की करीबी बढ़ती जा रही हैं। सूत्र ने पिंकविला को बताया कि दोनों कई बार एक साथ हैंगआउट भी करते हैं। सूत्र ने कहा, ''दोनों एक-दूसरे को छह महीने से ज्यादा समय से जानते हैं। टीवी की दुनिया के एक कॉमन दोस्त के जरिए दोनों की मुलाकात हुई थी, लेकिन कुछ ही समय में वे दोनों करीब आ गए। दोनों की बॉडी लैंग्वेज देखकर पता चलता है कि दोनों सिर्फ दोस्त नहीं हैं, बल्कि उससे ज्यादा हैं।'' सूत्र ने आगे बताया कि अर्सलान और सुजैन खान कई बार घूमते हुए भी नजर आए हैं। हालांकि, ऋतिक रोशन के साथ तलाक और अपनी लाइफ को देखते हुए सुजैन फूंक-फूंक कर कदम आगे बढ़ा रही हैं। वहीं, प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें तो, अर्सलान ने साल 2017 में बॉलीवुड इंडस्ट्री में डेब्यू किया था।

तीसरे टी20 में भी जीत का सिलसिला बरकरार रखने को उतरेगी टीम इंडिया

तीसरे टी20 में भी जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी टीम इंडिया।

अहमदाबाद, (एजेंसी)। टीम इंडिया अब मंगलवार को यहां मेहमान टीम इंग्लैंड के साथ होने वाले तीसरे टी20 मैच में जीत का सिलसिला बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी। दूसरे टी20 में मिली शानदार जीत के बाद टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह अब लय में भी आ गयी है। पांच मैचों की यह सीरीज अभी 1-1 से बराबरी पर है। ऐसे में दोनो ही टीमें इस मैच को जीतकर बढ़त हासिल करना चाहेंगी। पहले टी20 में जहां मेहमान टीम ने जीत हासिल की थी, वहीं दूसरे टी20 में भारतीय टीम ने दममदार वापसी कर दिखा दिया कि वह हर हाल में जीतना जानती है।

वहीं दूसरे मैच में भारतीय टीम ने हर क्षेत्र में मेहमान टीम को शिकस्त दी। अपने पहले ही मैच में ईशान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के साथ ही 32 गेंद में 56 रन अपने आक्रामक तेवर दिखा दिये।

लोकेश राहुल के पहले ही ओवर में आउट होने के बाद भी इस युवा बल्लेबाज ने बिना किसी दबाव के जिस प्रकार बल्लेबाजी की उससे पता चलता है कि भारतीय टीम निडर होकर खेलना चाहती है। ईशान के अलावा कप्तान विराट कोहली ने भी फार्म हासिल कर लिया है जो भारतीय टीम के लिए एक सकारात्मक संकेत है। ईशान ने पहले ही मैच में जिस प्रकार इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर जैसे बल्लेबाज पर चौका लगाया है उससे भी उनके इरादे जाहिर हो गये हैं। वहीं भारतीय

गेंदबाजों ने भी दूसरे मैच में शानदार गेंदबाजी कर इंग्लैंड टीम को 164 रन पर रोक दिया था। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने लंबे समय बाद गेंदबाजी की उससे भी भारतीय टीम को गेंदबाजी में एक विकल्प मिला है।

भारत को युवा ऋषभ पंत से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है जिन्हें बल्लेबाजी क्रम में श्रेयस अय्यर से ऊपर चौथे नंबर पर भेजा गया है।।

माना जा रहा है कि भारतीय टीम अपनी अंतिम एकादश में बदलाव नहीं करना चाहेगी हालांकि नियमित सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की दो मैचों में आराम के बाद वापसी संभव है। ऐसे में राहुल को बाहर बैठना पड़ेगा।

वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम के तेज गेंदबाज मार्क वुड के नहीं होने से दूसरे मैच में इंग्लैंड का आक्रमण प्रभावी नहीं रहा है ऐसे में तीसरे मैच में उनकी वापसी तय है। कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा है कि वह तीसरा मैच खेलेंगे

सलामी बल्लेबाज जैसन रॉय भी इस मैच में बड़ी पारी खेलने के इरादे से उतरेंगे। इंग्लैंड के पास विश्व स्तर का बल्लेबाजी और गेंदबाजी आक्रमण होने के कारण यह मैच बेहद रोमांचक होना तय है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैंः

भारतः विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, लोकेश राहुल, शिखर धवन, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, युजवेंद्र चहल, भुवनेश्वर कुमार, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, शारदुल ठाकुर, नवदीप सैनी, दीपक चाहर, राहुल तेवतिया, इशान किशन (रिजर्व विकेटकीपर)।

इंग्लैंडः इयोन मोर्गन (कप्तान), जोस बटलर, जेसन रॉय, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, बेन स्टोक्स, मोईन अली, आदिल राशिद, रीस टॉपले, क्रिस जोर्डन, मार्क वुड, सैम कुरेन, टॉम कुरेन, सैम बिलिंग्स, जॉनी बेयरस्टो और जोफ्रा आर्चर।

इटली में स्लोवेनिया के टेडेज पोगाकार साइक्लिंग रेस में जीत के बाद उत्साहित नजर आए।

ईशान किशन के घर पर जश्न का माहौल

नवादा, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने अपने पहले ही अंतरराष्ट्रीय मैच में शानदार बल्लेबाजी कर सभी लोगों का ध्यान खींचा है। इसके बाद से ही उनके घर में जश्न का माहौल है। ईशान के शानदार प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें लगातार बधाईयां मिल रही हैं। लोगों के द्वारा लगातार बधाइयां देने का सिलसिला देर रात से ही जारी है। ईशान के घर में खुशी का माहौल है क्योंकि उनको लंबे दौर के बाद टीम इंडिया में जगह मिली है।

ईशान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रवेश के बाद परिवार में खुशी का माहौल है क्योंकि उनका बेटा अब टीम इंडिया के लिए खेल रहा है। मैच के दौरान सभी खिलाड़ियों ने उनका हौसला बढ़ाया। डेब्यू मैच में जिस तरह का दबाव रहता है उसे उसने बेहतर तरीके से काबू किया और यही कारण है कि उसने शानदार बल्लेबाजी की। बल्लेबाजी के दौरान कप्तान विराट कोहली ने उन्हें काफी सहयोग किया। ईशान के पहले प्रदर्शन से सभी लोग खुश है और उन्हें इसी तरह खेलते देखना चाहते हैं।

ईशान की दादी डॉ सावित्री शर्मा ने कहा कि उनका सपना पूरा हो गया है क्योंकि अब वो देश के लिए खेल रहा हैं। इससे पहले उसने कई जगह पर शानदार प्रदर्शन किए है। अपने कड़े मेहनत और शानदार प्रदर्शन के बाद अंततः टीम इंडिया में जगह बनाई. वो लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे थे मगर उनका चयन नही हो रहा था और जब सह अंतिम ग्यारह में चुने गए तो सभी भावुक हो गए और पूरे परिवार का सपना पूरा हो गया है मगर ईशान को अभी और आगे जाना है। आगे इसी तरह वो वनडे, टेस्ट में भी देश के लिए खेले। इसी तरह वो नाम कमाता रहे।

स्पोर्ट्स एंकर संजना के साथ शादी के बंधन में बंधे बुमराह

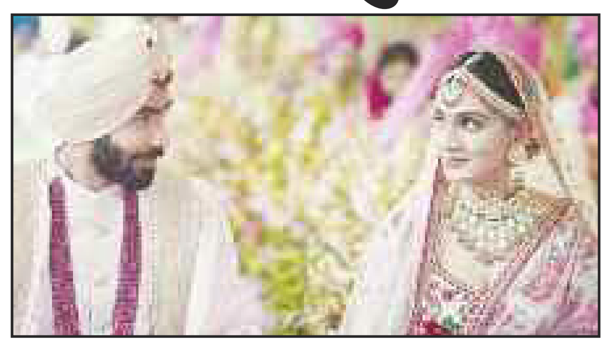

नई दिल्ली, (संवाददाता)। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की शादी स्पोर्ट्स एंकर संजना गणेश से हुई है। बुमराह ने हाल ही में निजी कारणों से टीम इंडिया से बाहर रहने की बात कही थी और इस मामले में उन्हें बीसीसीआ ने अनुमति भी दी थी अब उसका कारण समझ में आया है। बुमराह और संजना की शादी अनंत कारज की रस्म गोवा के एक गुरुद्वारे में संपन्न हुई। पछिले कुछ समय से बुमराह और संजना की शादी की अटकलें लगायीं जा रहीं थीं जो सही साबित हुई हैं। बुमराह ने कुछ समय पहले ही अपनी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। संजना मनोरंजन जगत से हैं। संजना ने एमटीवी के रिएलिटी शो स्पिलिट्स विला से टीवी पर अपना डेब्यू किया था। संजना ने साल 2013 में फेमिना गॉर्जियस का खिताब भी जीता था। संजना गणेशन आईपीएल के दौरान केकेआर डायरीज नाम के शो की भी होस्ट भी रही हैं। वह 2016 में केकेआर के साथ जुड़ी थीं और नाइट क्लब नाम का शो होस्ट करती थीं। गौरतलब है कि इससे पहले बुमराह का नाम तेलुगु फिल्म अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन के साथ जोड़ा गया था। अनुपमा भी हाल ही में गुजरात पहुंची थी, जिसकी वजह से इन खबरों को हवा मिल रही थी पर कुछ दिनों बाद ही अनुपमा की मां ने इस बात की पुष्टि की कि उनकी बेटी फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में गुजरात गई है। उनका बुमराह की शादी से कोई संबंध नहीं है। वहीं, अनुपमा का नाम हटने के बाद बुमराह का नाम एंकर संजना के साथ जोड़ा जा रहा था।

पारी की शुरूआत करने वाले केएल राहुल दूसरे मैच में भी रहे फ्लॉप

अहमदाबाद, (एजेंसी)। टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए दूसरे टी20 में टीम इंडिया ने सात विकेट से विजय हासिल की। विराट कोहली ने नाबाद 73 रन बनाकर फॉर्म में लौटने के संकेत दे दिए। लेकिन पारी की शुरूआत करने वाले केएल राहुल दूसरे मैच में भी फ्लॉप रहे। वो बिना खाता खोले आउट हो गए। उन्हें भारतीय पारी के पहले ओवर में ही सैम कर्रन ने अपना शिकार बना लिया। राहुल कर्रन के एक ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए। उन्हें विकेट के पीछे जोस बटलर ने लपका। कर्रन के लिए राहुल का विकेट इसलिए भी खास रहा क्योंकि उन्होंने अपने जाल में फंसाकर भारतीय बल्लेबाज को आउट किया। बाएं हाथ के इस इंग्लिश तेज गेंदबाज ने राहुल को ओवर की पहली चार गेंदें इन स्विंग फेंकी। जिसे राहुल ने खेल लिया। पांचवीं गेंद में उन्होंने बदलाव किया और कटर फेंकी। इसे भी भारतीय ओपनर ने खेल लिया। लेकिन राहुल के लिए उन्होंने जो जाल बुना था उसे आखिरी गेंद में पूरा किया। ओवर में चार लगातार गेंद इन स्विंग फेंकने के बाद कर्रन ने छठी गेंद आउट स्विंग फेंकी। राहुल गलती कर गए और ऑफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद पर बल्ला लगा बैठे और गेंद सीधे जोस बटलर के दस्तानों में चली गई। राहुल शून्य पर आउट हो गए। पहले टी20 में भी राहुल सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हुए थे। तब उन्हें भारतीय पारी के दूसरे ओवर में जोफ्रा आर्चर ने बोल्ड किया था। बता दें कि सैम कर्रन आईपीएल के 14वें सीजन में महेंद्र सिंह अगुवाई वाली चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेलेंगे। उन्हें आईपीएल खेलते लंबा वक्त नहीं हुआ है। उन्हें पहली बार 2019 में किंग्स इलेवन पंजाब (पंजाब किंग्स) ने 7.2 करोड़ रुपए में खरीदा था। उस सीजन में कर्रन ने 9 मैच में 10 विकेट लिए थे। हालांकि, 2020 के आईपीएल से पहले पंजाब टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था। इसके बाद उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स ने 5.5 करोड़ रुपए में खरीदा। इसके पीछे भी धोनी ही थे। उन्हें इंग्लैंड का ये ऑलराउंडर काफी पसंद हैं। गेंदबाजी के साथ ये बल्लेबाजी भी अच्छी करते हैं और किसी भी नंबर पर खेल सकते हैं। इस खूबी के कारण धोनी ने कर्रन को सीएसके के साथ जोड़ा। उन्होंने पिछले सीजन में इसे साबित भी किया।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को तीसरे एकदिवसीय में भी हराया

जमैका, (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज डेरेन ब्रावो के शानदार शतक 102 की सहायता से वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को तीसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में पांच विकेट से हरा दिया। इस प्रकार इंडीज टीम ने यह सीरीज 3-0 से जीत ली है। ब्रावो के अलावा कप्तान कायरन पोलार्ड ओवर 53 रन बनाकर नाबाद रहे। ब्रावो और पोलार्ड के बीच 80 रन की साझेदारी भी हुई। इस मैच में मेजबान वेस्टइंडीज टीम ने टॉस जीतकर श्रीलंकाई टीम का पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। श्रीलंकाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 274 रन बनाये थे। श्रीलंका की ओर से धनुष्का गुणतिलका ने 36 और दिमुथ करूणारत्ने ने 31 रन बनाये पर बीच के बल्लेबाज रन नहीं बना पाये। एशेन बंडारा और वनिंदु हसरंगा ने सातवें विकेट के लिये 123 रन की नाबाद साझेदारी करके टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। बंडारा 55 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि हसरंगा ने 60 गेंद में सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 80 रन बनाये। इसके बाद मेजबान टीम वेस्टइंडीज ने 275 रनों के लक्ष्य का पीछे करते हुए खराब शुरूआत के बाद ब्रावो और शाइ होप ने तीसरे विकेट के लिये 109 रन बनाये। वेस्टइंडीज ने अपने दो विकेट दसवें ओवर में 39 रनों पर ही खो दिये थे पर ब्रावो और होप ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को वापसी करायी। जेसन होल्डर ने 49वें ओवर की तीसरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। ब्रावो ने जून 2016 के बाद पहला एकदिवसीय शतक लगाया है। पहले मैच में होप ने 110 और दूसरे में एविन लुईस ने 103 रन बनाये थे।

डीविलियर्स की दी गई सलाह विराट कोहली को आई काम, जिताया मैच

अहमदाबाद, (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली और ईशान किशन की अर्धशतकीय पारी के चलते भारतीय टीम ने दूसरे टी20 मैच में इंग्लैंड को 7 विकेट से शिकस्त दे दी। इस मैच में विराट कोहली ने कहा कि उनकी इस पारी के पीछे एबी डिवीलियर्स का अहम योगदान है क्योंकि इस मैच से पहले मैंने डिविलियर्स से बात की थी और उन्होंने मुझे सिर्फ गेंद पर ध्यान देने के लिए कहा था और मैंने मैच के दौरान वही किया। विराट ने डेब्यू मैच खेल रहे ईशान किशन की तारीफ करते हुए कहा कि उसने जिस तरह से बल्लेबाजी की वह तारीफ के काबिल है। मैंने साझेदारी के दौरान वह किया जो मैं कर सकता था, वह मेरी बात को मानता रहा और उसने अपने पहले ही मैच में शानदार बल्लेबाजी करके सभी को प्रभावित किया। विराट ने आगे कहा कि वह निर्भय होकर खेला और उसे पता था कि वह कैसे खेल रहा है। हमें इस मैच में इस तरह की साझेदारी की सख्त जरूरत थी। विराट ने आगे कहा कि इस मैच में मेरी पत्नी मौजूद थी वह मुझे बता रही थी कि मुझे क्या करना चाहिए। मैंने इस मैच में सिर्फ गेंद पर फोकस किया और उसको खेला। मुझे हमेशा से ही अपनी टीम के लिए आगे आकर काम करना अच्छा लगता है और मुझे इस पर गर्व भी है।

ईशान की आक्रामक बल्लेबाजी से विराट पर से दबाव हटा : आथरटन

लंदन, (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आथरटन ने कहा कि युवा सलामी बल्लेबाज ईशान किशन की आक्रामक बल्लेबाजी से भारमीय टीम के कप्तान विराट कोहली अपना स्वाभाविक खेल खेलने में सफल रहे हैं।

आथरटन के अनुसार पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पाने के कारण विराट दबाव में चल रहे थे पर जिस प्रकार ईशान ने तेजी से खेला उससे विराट पर से दबाव हट गया और उन्हें पिच पर जमने का समय मिल गया। ईशान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बेहतरीन पदार्पण करते हुए 32 गेंद में 56 रन बनाए और कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन बनाये। कोहली 49 गेंद में 73 रन बनाकर नाबाद रहे।

आथरटन ने कहा कि ईशान की आक्रामक बल्लेबाजी से कोहली पर से दबाव कम हुआ है। पिछली पांच में से तीन पारियों में रन नहीं बनाने के कारण वह लय हासिल करने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि विराट पहले मैच में दबाव में था क्योंकि उसने कहा था कि भारत थोड़ा और आक्रामक खेल दिखाएगा। उन्होंने कहा, पहले मैच में भारत के पास शीर्षक्रम में एक जैसा खेल दिखाने वाले खिलाड़ी थे और इससे कप्तान पर दबाव बन गया। आथरटन ने कहा, कोहली एलीट खिलाड़ी हैं और तेजी से रन बनाते हैं पर ऋषभ पंत या ईशान किशन की तरह वह आतिशी बल्लेबाजी नहीं करते हैं। इसलिए युवा खिलाड़ी के आकर इस तरह खेलने से कोहली को अपना स्वाभाविक खेल खेलने का समय मिल गया।

जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए चयनित टीम से खुश नहीं हैं आजम

लाहौर, (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए चयनित टीम से खुश नहीं हैं। आजम ने पीसीबी से कहा है कि वह केवल नाम के कप्तान नहीं बने रहना चाहते हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार आजम ने आरोप लगाया है कि उनके विचारों की अनदेखी हो रही है। आजम के अनुसार अगर उन्हें कप्तान बनाया गया है तो उनकी सलाह पर भी ध्यान देना होगा।आजम करीब छह खिलाड़ियों के चयन से खुश नहीं हैं। आजम का मानना है कि उनकी टेस्ट टीम पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में प्रदर्शन के आधार पर चयनित की गई है। दरअसल बाबर आजम टीम में लेग स्पिनर यासिर को चाहते थे पर उन्हें चयनकताओं ने जगह नहीं दी। आजम ने कहा है कि वो खिलाड़ियों को पूरा और लंबे समय तक मौका देना चाहते हैं। वो नहीं चाहते कि किसी खिलाड़ी को चुना जाए और फिर उसे अवसर दिये बिना ही टीम से बाहर कर दिया जाए। आजम ने कहा कि वो पाकिस्तानी टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल करना चाहते हैं। जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए पाक टीम

पाकिस्तान टी20 टीम- बाबर आजम, शादाब खान, शारजील खान, मोहम्मद हफीज, दानिश अजीज, हैदर अली, आसिफ अली, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, मोहम्मद रिजवान, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, हसन अली, अरशद इकबाल, उस्मान कादिर, सरफराज अहमद, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद नसीम जूनियर।

पाकिस्तान वनडे टीम- बाबर आजम, इमाम उल हक, फखर जमान, हैदर अली, दानिश अजीज, मोहम्मद वसीम जूनियर, शादान खान, मोहम्मद नवाज, एमडी रिजवान, सरफराज अहमद, हारिस रऊफ, मोहम्मद हसनैन, हसन अली, उस्मान कादिर, अब्दुल्ला शफिक, सऊद शकील, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी।

पाकिस्तान टेस्ट टीम- बाबर आजम, इमरान बट्ट, आबिद अली, अजहर अली, फवाद आलम, सऊद शकील, आगा सलमान, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, सरफराज अहमद, हारिस रौफ, तबीश खान, शाहनवाज धानी, नौमान अली, जाहिद महमूद, साजिद खान, अब्दुल्ला शफीक, शाहीन अफरीदी,हसन अली।

लंदन में एफए वूमेंस लीग फुटबॉल में जीत के बाद उत्साहित चेलेसा की सेम केर और अन्य खिलाड़ी।